''राष्ट्रीय हिंदी दैनिक अखबार''

समाचार गेट

TITLE CODE : HARHIN11569

वर्ष 02, अंक 107 पृष्ठ 08 मूल्य 01 रूपए शुक्रवार, 18 अप्रैल 2025 samachargate@gmail.com

पेज–03

नेशनल हेराल्ड घोटाला सोनिया–राहुल के भ्रष्टाचार का जीता–जागता उदाहरण : सोहनपाल सिंह

नेशनल हेराल्ड पर कब्जा कर कांग्रेस ने स्वतंत्रता सेनानियों की शहादत का किया अपमान : सोहनपाल सिंह

सोनिया राहुल ने नेशनल हेराल्ड मामले में भ्रष्टाचार किया, खामियाजा भुगतना पड़ेगा : सोहनपाल सिंह

कांग्रेस ने संस्थानों, सार्वजनिक धन और राष्ट्रीय विरासत को हमेशा अपनी निजी संपत्ति समझा : सोहनपाल सिंह

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। भारतीय जनता पार्टी बल्लभगढ़ के जिला अध्यक्ष सोहनपाल सिंह ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि नेहरू–गांधी परिवार और कांग्रेस पार्टी दुनिया में सबसे भ्रष्ट हैं और नेशनल हेराल्ड मामला कांग्रेस के भ्रष्टाचार का जीता–जागता उदाहरण है। कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए नेशनल हेराल्ड मामले की शुरुआत की थी। इस भ्रष्टाचार और लूट में लिप्त कांग्रेस के नेताओं को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। कांग्रेस अपने कार्यकर्ताओं को भड़काकर और इसका राजनीतिकरण कर लाभ उठाना चाहती है। सोनिया गांधी और राहुल गांधी जिस कानूनी परेशानी का सामना कर रहे हैं, वह उनके अपने 'लालच का नतीजा है। उन्होंने सोनिया राहुल पर जनता के पैसे की लूट में लिप्त होने के बाद खुद को पीड़ित बताने का भी आरोप लगाया और केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ कांग्रेस के आरोपों को ''बेहद खोखला, निराधार और मामले की जांच को प्रभावित करने के इरादे से दुर्भावना से प्रेरित'' करार दिया। कांग्रेस को इस मुद्दे पर राजनीति करने का कोई अधिकार नहीं है क्योंकि यह मामला उसके शासन के दौरान दर्ज हुआ था। कांग्रेस ने स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा खडी की गई कंपनी पर निजी लाभ के लिए कब्जा करना, उनके बलिदान का अपमान है।

भारतीय जनता युवा मोर्चा बल्लभगढ़ के सैंकड़ों कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को अम्बेडकर चौक बल्लभगढ़ में नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर कांग्रेस नेता सोनिया गाँधी और राहुल गांधी का पुतला जलाया और भाजपा कार्यकर्ताओं ने सोनिया–राहुल और कांग्रेस मुर्दाबाद के नारे लगाये। इस अवसर पर बल्लभगढ़ भाजपा जिला अध्यक्ष सोहनपाल सिंह, युबा मोर्चा जिला महामंत्री कार्तिक वशिष्ठ, नवीन वशिष्ठ, स्वराज भाटी, योगेश तेवतिया, मनीष यादव, लक्ष्य शर्मा, मंडल अध्यक्ष पवन सैनी, गौरव विरमानी, संजय जांगड़ा, कुलदीप सिंह, अनुराग गर्ग, धीरज चौधरी, उमेश वशिष्ठ, राहुल डागर, सागर शर्मा, जगविंदर फौगाट, ऋषभ भड़ाना, प्रमोद गिल, हरीश धनखड़, नवीन चैची, हितेंद्र सिंह, विपुल सिंह योगेश तेवतिया आदि उपस्थित रहे।

जिला अध्यक्ष सोहनपाल सिंह ने कहा कि यह सिर्फ वित्तीय गड़बड़ी का मामला नहीं है–यह उस राजनीतिक वंश की जवाबदेही का क्षण है जिसने दशकों तक संस्थानों, सार्वजनिक धन और राष्ट्रीय विरासत को अपनी निजी संपत्ति समझा। यह गांधी विकास मॉडल का जीवंत उदाहरण है–जहां पार्टी का पैसा निजी पूंजी में बदल जाता है, सार्वजनिक संपत्ति पारिवारिक संपत्ति बन जाती है। ईडी की चार्जशीट यह स्पष्ट करती है कि गांधी परिवार ने कांग्रेस पार्टी का दुरुपयोग कर एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड कि 2000 करोड़ से अधिक की सम्पति को अपने नियंत्रण में ले लिया। एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड का उद्देश्य पत्रकारिता व जनसेवा था जिसे गाँधी परिवार में रियल एस्टेट कंपनी में बदल दिया। भाजपा कड़ी निंदा करती है कि कांग्रेस के नेताओं ने अधिकारियों को डराया धमकाया और जाँच प्रक्रिया में व्यवधान डाला, यह गाँधी परिवार को जाँच से बचाने का राजनैतिक नाटक है । अगर राहुल सोनिया निर्दोष है बार बार ईडी के समन से बचने कि कोशिश क्यों करते हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने दस्तावेजों, शेयर होलडिंग और बैंक रिकॉर्ड के आधार पर करवाई की है। यह मामला साफ दर्शाता है कि कैसे गांधी परिवार ने कांग्रेस पार्टी के ढांचे का उपयोग कर निजी धन अर्जित किया और देश की जनता को धोखा दिया। भाजपा स्पष्ट रूप से कहती है, यह कोई वैचारिक हमला नहीं बल्कि न्याय कि दिशा में क़ानूनी करवाई है । कांग्रेस को समझना होगा कानून सबके लिए समान है चाहे आम नागरिक हो या पूर्व प्रधानमंत्री का वारिस।

कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी से हरियाणा अनुसूचित जाति राजकीय अध्यापक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण और अंत्योदय सेवा मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी से आज यहां हरियाणा अनुसूचित जाति राजकीय अध्यापक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री को प्रदेश में अनुसूचित जाति वर्ग के कर्मचारियों पर क्रीमीलेयर के प्रावधान को लागू न कर सभी अनुसूचित जाति के कर्मचारियों को प्रथम व द्वितीय श्रेणी में पदोन्नत करने के लिए ज्ञापन सौंपा। श्री कृष्ण कुमार बेदी ने प्रतिनिधिमंडल को उपयुक्त कार्रवाई करने का आश्वासन दिया और कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार कर्मचारियों के हितों का पूरा ध्यान रख रही है और इस मामले में भी नियमानुसार उपयुक्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री को बताया कि पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने भी एक मामले में हरियाणा सरकार द्वारा 7 अक्टूबर, 2023 को जारी हिदायतों को सही माना है व सभी अनुसूचित जाति के कर्मचारियों को प्रथम व द्वितीय श्रेणी में पदोन्नति देना उचित ठहराया है। साथ ही, उच्च न्यायालय द्वारा अनुसूचित जाति के कर्मचारियों पर क्रीमीलेयर को लागू करने बारे भी हरियाणा सरकार को निर्देश जारी किए हैं। जबकि भारतीय संविधान के अनुसार व इन्दिरा साहनी बनाम यूनियन ऑफ इण्डिया मामले में संवैधानिक पीठ द्वारा यह तय किया गया कि अनुसूचित जाति वर्ग पर क्रीमीलेयर लागू नहीं होता। इसलिए इस मामले में सरकार संवेदनशीलता के साथ विचार कर उचित कार्रवाई करे। प्रतिनिधिमंडल में श्री बीएन रंगा, श्री सत्यवान सरोहा, श्री दिनेश, श्री चंद्र मोहन, श्री देवेंद्र कटारिया, श्री विनोद मोहरी, श्री सतपाल, श्री सलीम कुमार, श्री जगदीश सिंह, श्री हरि निवास भट्ट, श्री चंद्र निम्मा, श्री राजीव, श्री राजेश, श्री कृष्ण कुमार, श्री संदीप तूर, श्री महिपाल सिहाग और श्री नरेश नरवाल शामिल थे।

हरियाणा के मुख्य सचिव से मिले 13 देशों के 27 प्रतिनिधि

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। विधायी प्रारूपण (लेजिस्लेटिव ड्राफ्टिंग) से संबंधित 36वें अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग ले रहे 13 देशों के 27 प्रतिनिधियों ने आज यहां हरियाणा के मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी से मुलाकात की।

कोटेडीआइवर, इक्वाडोर, होंडुरास, ग्वाटेमाला, श्रीलंका, मंगोलिया, म्यांमार, नाइजर, नाइजीरिया, मालदीव, तंजानिया, जार्मबिया और जिम्बाब्वे जैसे देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिभागी लोकसभा के संसदीय लोकतंत्र अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान (PRIDE) के सहयोग से आयोजित पांच दिवसीय कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं।

अपने संबोधन में मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी ने समावेशी कानून बनाने की प्रक्रियाओं के महत्व पर बल देते हुए कहा, किसी भी कानून की रूपरेखा सभी हितधारकों की आवाज सुनकर ही प्रभावी ढंग से तैयार की जा सकती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कानून की प्रासंगिकता और प्रभावकारिता सुनिश्चित करने के लिए उसमें समाज की आकांक्षाओं, भावनाओं और जरूरतें प्रतिबिंबित होनी चाहिए। श्री रस्तोगी ने कहा कि भारतीय संविधान सावधानीपूर्वक तैयार किया गया दस्तावेज है और यह कानून बनाने के लिए एक व्यापक रूपरेखा और स्पष्ट प्रक्रिया प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान एक मार्गदर्शक प्रकाश स्तंभ के रूप में कार्य करता है। इसमें सुनिर्धारित प्रक्रियाएं यह सुनिश्चित करती हैं कि कानून मजबूत होने के साथ–साथ अनुकूलनीय भी हों। उन्होंने भारत में हरियाणा की विशिष्ट स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि हरियाणा देश में सबसे अधिक प्रति व्यक्ति आय और कर संग्रह वाला एक छोटा लेकिन प्रगतिशील राज्य है।

इस अवसर पर मुख्य सचिव ने व्यक्तिगत रूप से सभी विदेशी प्रतिनिधियों को श्रीमद्भगवद्गीता की एक–एक प्रति भी भेंट की। उन्होंने कहा कि महाभारत एक ऐसी कथा है, जो किसी की भी कल्पना से परे है, जिसमें कर्म का महान सिद्धांत निहित है। जीवन में ऐसे हालात आते हैं, जब व्यक्ति को सांत्वना और सहारे की जरूरत होती है। ऐसे समय में श्रीमद्भगवद्गीता हमारे लिए शक्ति–स्तंभ का काम करती है।

मुख्य सचिव ने कहा कि जब आप अपने देशों को लौटेंगे, तो आप अपने साथ न केवल पेशेवर अंतर्दृष्टि बल्कि हमारी परंपराओं की गर्मजोशी और सहयोग की भावना भी ले जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि 16 अप्रैल से 21 अप्रैल तक चलने वाले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों के बीच ज्ञान को साझा करना और विधायी मसौदा तैयार करने के कौशल को बढ़ाना है। इसमें उन्नत प्रारूपण तकनीक, तुलनात्मक विधायी रूपरेखा और विधायी प्रक्रियाओं में प्रौद्योगिकी के एकीकरण से संबंधित सत्र शामिल हैं।

इक्वाडोर के वित्तीय नीति और विनियमन निकाय के निदेशक श्री एलेजांद्रो निकोलस वीसन नेमलसेफ ने सभी प्रतिनिधियों की मेजबानी के लिए मुख्य सचिव का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि यहां मिले प्रशिक्षण ने उन्हें न केवल अधिक कुशल पेशेवर बनाया है, बल्कि बेहतर इंसान भी बनाया है। उन्होंने कहा कि भारत की मूल ताकत उसके लोगों में निहित है। भारत के लोग बेहद प्यार करने वाले और गर्मजोशी से भरे हैं और भारत आना उनके लिए एक शानदार अनुभव रहा है।

केंद्रीय कानून और न्याय मंत्रालय में विधायी विभाग के पूर्व सचिव और पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. के.एन. चतुर्वेदी ने इस अवसर पर विदेशी प्रतिनिधियों के लिए एक महीने के पाठ्यक्रम का संक्षिप्त विवरण दिया। इस अवसर पर उद्योग और वाणिज्य विभाग के प्रधान सचिव श्री डी. सुरेश, कार्मिक, प्रशिक्षण और संसदीय कार्य विभाग के विशेष सचिव श्री आदित्य दहिया और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बीजेपी ने राहुल और सोनिया गांधी का पुतला फूंका, कांग्रेस के खिलाफ जमकर की नारेबाजी

समाचार गेट/ब्यूरो

गुरुग्राम। नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हुए घोटालों और कांग्रेस पार्टी द्वारा अराजकता व तोड़फोड़ के विरोध में भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को सोनिया गांधी और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का पुतला फूंका। अग्रवाल धर्मशाला चौक पर भाजपा के कार्यकर्ता एकत्रित हुए और कांग्रेस नेताओं के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस मौके पर जिला महामंत्री रामबीर भाटी, सचिव पी. सी. सैनी, जिला मीडिया प्रभारी पवन यादव, युवा मोर्चा अध्यक्ष मयंक निर्मल, निधि कोटिया, धर्मवीर, मंडल अध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा, लोकेश कटारिया, आशीष गुप्ता, धनेश यादव, अजीत यादव, देवेंद्र भाटी, रोहित चौहान, राहुल गुर्जर, जिला मंत्री चेतन फ़लसवाल, गौरव कटारिया, हिमांशु वर्मा, अमित राघव, योगेश चौधरी, दीपक शर्मा, कोषाध्यक्ष वरदान मनचंदा, उमेश मलिक आदि मौजूद रहे। भाजपा जिला महामंत्री रामबीर भाटी ने कहा कि कांग्रेस के घोटालों का पर्दाफाश होने से कांग्रेस पार्टी बौखला गई है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने करोड़ों रुपये की हेराफेरी की। श्री भाटी ने कहा कि राहुल गांधी और सोनिया गांधी के खिलाफ ईडी द्वारा की जा रही कार्रवाई एक कानूनी प्रक्रिया है। कांग्रेस के लोग विरोध प्रदर्शन करके बाधा उत्पन्न करने का प्रयास कर रहे हैं। रामबीर भाटी ने कहा कि राहुल गांधी और सोनिया गांधी ने यंग इंडिया की आड़ में अवैध रूप से जमीन हड़पी। इस मामले में दोनों मां–बेटा अभी भी जमानत पर बाहर है।

अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ में औद्योगिक दौरे का आयोजन

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ के प्रबंधन विभाग ने अभिषेक एंटरप्राइजेज, हीटट्रीटर्स (फेरस और नॉन फेरसमेटल), फरीदाबाद का औद्योगिक दौरा आयोजित किया। बी बी ए द्वितीय वर्ष के 25 छात्रों का एक बैच दो संकाय सदस्यों सुश्री सोनिया यादव और सुश्री चित्रा सैनी के साथ दौरे पर गया। कॉलेज अध्यक्ष देवेंद्र कुमार गुप्ता, महासचिव एडवोकेट दिनेश गुप्ता और कार्यवाहक प्राचार्य डॉ संजीव कुमार गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में ऐसी गतिविधियाँ आयोजित करता रहता है।

कार्यक्रम का समन्वय डॉ सचिन गर्ग, प्रभारी (विंग–1) के प्रभावी नेतृत्व में किया गया था। प्रबंधन विभाग की डीन डॉ शिल्पा गोयल ने पूरे कार्यक्रम की व्यवस्था की और छात्रों को दौरे की आवश्यकताओं और विवरण के बारे में जानकारी दी। छात्र सुबह 9:30 बजे कॉलेज में इकट्ठे हुए और सुबह 10:00 बजे कंपनी के लिए रवाना हुए। जब टीम सुबह 10:30 बजे कंपनी के परिसर में पहुँची, तो मैनेजर अंकिता, जो इस दौरे की समन्वयक भी थीं, ने प्रवेश द्वार पर उनका स्वागत किया और अपनी कंपनी के बारे में संक्षिप्त परिचय दिया। अभिषेक एंटरप्राइजेज एक प्रतिष्ठित कंपनी है जो लौह और अलौह दोनों धातुओं के ताप उपचार में विशेषज्ञता रखती है। वर्षों के अनुभव और आधुनिक सुविधाओं के साथ, कंपनी ऑटोमोटिव, एयरोस्पेस, विनिर्माण और भारी इंजीनियरिंग सहित विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों को सेवा प्रदान करती है। श्री अभिषेक (कंपनी के मालिक) ने बताया कि संगठन विभिन्न ताप उपचार प्रक्रियाओं जैसे कि एनीलिंग, टेम्परिंग, नॉर्मलाइज़िंग, कार्बराइज़िंग और इंडक्शन हार्डनिंग के लिए अत्याधुनिक भट्टियों और प्रौद्योगिकी से सुसज्जित है। स्टील घटकों के सख्त और टेम्परिंग का लाइव प्रदर्शन दिखाया गया, उसके बाद धातु कर्मनिरीक्षण किया गया। छात्रों ने इंजीनियरों और तकनीशियनों के साथ बातचीत की, प्रक्रिया मापदंडों, सुरक्षा सावधानियों और वास्तविक समय की चुनौतियों के बारे में सवाल पूछे। औद्योगिक दौरा एक ज्ञानवर्धक अनुभव था, जिसने सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुप्रयोग के बीच की खाई को पाट दिया। इस तरह के दौरे छात्रों के सीखने को बढ़ाने और उन्हें उद्योग में भविष्य के करियर के अवसरों के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भ्रमण के अंत में विद्यार्थियों को जलपान कराया गया। विद्यार्थी और कर्मचारी दोपहर 01:00 बजे वापस कॉलेज पहुंचे।

चारबाग स्टेशन पर खाने के लिए चलीं लाठियां

ट्रेन ड्राइवर को कैंटीन वाले ने जड़ा थप्पड़, बोला: जो है, वही खाओ

लखनऊ । चारबाग रेलवे स्टेशन पर लोको पायलट और कैंटीन ठेकेदार के बीच मारपीट हो गई। मामला स्टेशन के रनिंग रूम की कैंटीन का है। लोको पायलट ने राशन देकर खाना बनाने को कहा। इस पर कैंटीन इंचार्ज ने कहा- खाना नहीं बनेगा, जो बना है वही खाओ। लोको पायलट ने विरोध किया तो इंचार्ज ने थप्पड़ जड़ दिया। इसके बाद कैंटीन परिसर में मारपीट शुरू हो गई। सूचना पर कुछ और लोको पायलट वहां पहुंच गए। कुछ ही देर में लाठी, वाइपर से लोको पायलट को पीटा गया। मामले में कुछ लोगों ने बीच-बचाव किया। उसके बाद लोको पायलट वहीं बैठकर रेल और लखनऊ प्रशासन के खिलाफ नारे लगाने लगे। लोको पायलट का आरोप है कि 14 घंटे ड्यूटी करने के बाद जब कैंटीन में खाना लेने आए, तो ठेकेदार ने मना किया। कारण पूछने पर नोकझोंक शुरू कर दी। इसका विरोध करने पर थप्पड़ मार दिया। कुछ लोग लाठियां लेकर आ गए। कैंटीन ठेकेदार ने अपने लोगों से उन्हें पिटवाया है। मारपीट के बाद कई लोको पायलट धरने पर बैठ गए। सभी रेल प्रशासन और लखनऊ प्रशासन के खिलाफ नारे लगाने लगे। इन लोगों ने रेल प्रशासन हाय-हाय, लखनऊ प्रशासन हाय-हाय के नारे लगाए। बताया गया कि मारपीट मुरादाबाद मंडल के लोको पायलट से की गई। धरने पर बैठे लोको पायलट बोले- तीन-चार लोको पायलट सुबह करीब 10:30 बजे खाना खाने के लिए लोको रनिंग रूम के कैंटीन में पहुंचे थे। यहां अपना राशन देकर खाना बनाने को कहा। इस पर कैंटीन के संचालक ने कहा- यह अभी नहीं बनेगा, जो है उसे खाओ। इसके बाद बहस होने लगी। रनिंग रूम के इंचार्ज भी मौके पर पहुंचे। आरोप है, उन्होंने एक लोको पायलट को थप्पड़ जड़ दिया। इससे विवाद होने लगा। हालांकि, रनिंग रूम के इंचार्ज ने कहा कि - हमने कोई हाथ नहीं छोड़ा था। वहां केवल बीच-बचाव कर रहा था। इस बीच कैंटीन के करीब 20 लोगों ने 3-4 लोको पायलट को वाइपर, डंडे सहित अन्य चीजों से पीट दिया। इसकी जानकारी होते ही लोको पायलट सहित रेलवे कर्मचारी संगठन के नेता भी पहुंच गए। इस बवाल के बाद ADRM, NRMU के मंडल मंत्री राकेश पांडेय सहित अन्य अधिकारियों के बीच में बैठक हुई। कर्मचारियों ने मामले में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने की मांग की है। रनिंग रूम के इंचार्ज को तत्काल हटाने की मांग की है। मारपीट के बाद पांच घंटे तक रनिंग रूम में आपाधापी की स्थिति बनी रही। बैठक के बाद NRMU के मंडल मंत्री राकेश पांडेय ने कर्मचारियों को आश्वासन दिया। उन्होंने कहा- जिन लोगों ने मारपीट की है, उन्हें हटाया जाएगा। ठेकादार से बातचीत हुई है। ठेकेदार का नंबर हर जगह दशार्या जाएगा। RPF की सुरक्षा लोको पायलट को दी जाएगी। उनके आने-जाने के लिए गाड़ियां दी जाएंगी।

फिल्म सिटी के निर्माण से

क्षेत्रीय कलाकारों को मिल रहा सुनहरा अवसर : साहब लाल

संवाददाता

कुशीनगर । बनारस की गलियों में ठेले पर गोलगप्पा बेचने वाला साहब लालधारी ने आज भोजपुरी सिनेमा जगत में एक सफल मुकाम ही नहीं बनाया है बल्कि दर्शकों के चहेता के रूप में एक कामयाब अदाकार बन कर भोजपुरी सीने जगत में पहचान बनाई है। कुशीनगर में एक फिल्म की शूटिंग के लिए आए साहब लालधारी ने अपने जीवन की चर्चा करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की धरती भोजपुरी सिनेमा के लिए काफी उपजाऊ है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार ने भोजपुरी सिनेमा को बढ़ावा के लिए दिल खोल कर सहयोग दिया है। प्रदेश में फिल्म सिटी के निर्माण से क्षेत्रीय कलाकारों को एक सुनहरा अवसर प्राप्त हो रहा है। इसके लिए मुख्यमंत्री महोदय का आभार व्यक्त करते हैं। बकौल लालधारी ने बताया कि वर्ष दो हजार नौ से गोलगप्पा का ठेला छोड़ कला क्षेत्र में कदम रखा। और एक के बाद एक सफल फिल्म दिया। अब तक एक सौ से अधिक फिल्मों में अपने कला का जलवा बिखरने वाले साहब लालधारी का जन्मभूमि गाजीपुर है लेकिन ये बनारस में पले बढ़े और अपनी जीविका चलाने के ठेले पर गोलगप्पा बेचने लगे, इसी बीच महुआ चैनल पर एक खास कार्यक्रम के लिए ऑडिशन चल रहा था जिसमें लालधारी ने भाग लिया और इन्हें चयनित कर लिया गया। आज स्थिति यह है कि इन्हें शूटिंग की इतनी अधिक व्यस्तता है कि लखनऊ, अयोध्या, गोरखपुर, कुशीनगर आदि शहरों में ही जमे हुए है।हास्य अभिनेता साहब लालधारी अपने माता पिता को ही अपना आदर्श मानते हैं और कहते हैं कि आज जो कुछ हूं माता पिता के आशीर्वाद के बदौलत ही हूं।

लोकार्पण से पहले ही आंधी में गिरा बाईपास मार्ग का साइन बोर्ड

कुशीनगर । लोक निर्माण विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। रविवार को आई आंधी में पडरौना-दुदही मार्ग पर स्थित बाईपास का साइन बोर्ड गिर गया। यह साइन बोर्ड कुछ दिन पहले ही लगाया गया था। घटना मुख्य नहर के किनारे बने बाईपास मार्ग पर हुई। आंधी के समय यातायात बंद होने से कोई हताहत नहीं हुआ। हालांकि, बाद में लोगों को गिरे हुए बोर्ड के नीचे से गुजरते देखा गया। यह बाईपास मार्ग जिला मुख्यालय के पास दमवतिया से शुरू होता है। यह हरका होते हुए परसौनी के पास मुख्य नहर को पार करता है। सिंघापट्टी से होकर पडरौना-बांसी मार्ग से जुड़ता है। विभाग की लापरवाही का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि मार्ग का औपचारिक उद्घाटन भी नहीं हुआ था। पडरौना विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी एक्शन राजेश को घटना की जानकारी तक नहीं थी।

गन्ना विकास गोष्ठी में दी गई जानकारी

संवाददाता

कुशीनगर। सहकारी गन्ना विकास समिति हाटा परिक्षेत्र एवं हाटा विकास खंड के ग्राम पिपरा कपूर मे , कृषकों को पेड़ी गन्ने का वैज्ञानिक प्रबंध , पायरीला कीट नियंत्रण खारपतवार नियंत्रण , पौधा गन्ना मे उर्वरक प्रयोग आदि विषय पर ह्लगन्ना विकास गोष्ठीह्ल का आयोजन किया गया ,अध्यक्षता प्रगतिशील किसान श्री भरोषा सिंह ने किया संचालन गन्ना विकास अधिकारी भास्कर सिंह ने किया। इस अवसर पर उ० प्र० गन्ना किसान संस्थान प्रशिक्षण केंद्र पिपराईचा के पूर्व सहायक निर्देशक ओम प्रकाश गुप्ता ने किसानों को बताया कि इस समय किसान अपने पेड़ी गन्ना फसल का सिचाई करे, प्रति एकड़ 50 किग्रा डी. ए . पी 50 किग्रा यूरिया , 25 किग्रा म्यूरट आफ पोटाश, जड़ों के निकट प्रयोग कर गुड़ाई करे, पौधे गन्ना मे भी सिचाई के बाद किल्ले निकलते समय 50 किग्रा यूरिया शाम मे समय प्रयोग करे। किसान भरोषा सिंह ने बताया कि हमने आठ खट्टा खेत में को. 0118 गन्ना बोया, गन्ने की दो लाइन के बीच तीन लाइन 10 नवम्बर को बोया, गेहूँ की प्रजाति डी. वि. 371 था, गेहूँ का बीज ढाढ़ा चीनी मिल के अधिशाषी अध्यक्ष श्री करण सिंह द्वारा दिया गया था, गेहूँ का बाली बढ़ा था, गेहूँ कटवाया हूँ आठ खट्टा 24 डिस्मिल में 6 कु० गेहूँ हुआ है, 1 कुन्टल सरसो हुआ है, गोष्ठी में बैठे किसानों ने बताया कि इनका गेहूँ बहुत अच्छा है, परिश्रम भी किए है, श्री भरोषा सिंह ने कहा कि 1.5 बिघहा गन्ना बोया हूँ, आज आपने गन्ने के साथ आलू, गोभी, प्याज, टमाटर, गेहूँ, लहसुन का फोटोग्राफ दिखाया है, अगले वर्ष हम गन्ने में थोड़ा खेत आलू, लहसुन, प्याज, बोऊँगा। गोष्ठी में बैठे किसान राजू बर्नवाल, रामप्रकाश, शिवम दीवेदी, बलराम शर्मा, अजय सिंह, चंद्रभान सिंह ने कहा कि गन्ने में पायरिला कीट लग गया है, दवा बताए, ओम प्रकाश गुप्ता ने कहा कि पायरिला कीट नियंत्रण के लिए फसल का भरपूर सिचाई करें, पायरिला कीट का परजीवी दिखाकर बताया, खेत में है तो दवा प्रयोग न करें, यदि परजीवी नहीं है तो कीटनाशक का छिड़काव करें, ढाढ़ा चीनी मिल कीटनाशक दे रही है` गन्ना विकास अधिकारी भास्कर सिंह ने बताया कि इस क्षेत्र में गन्ने का एक लाख पौधा रोपाई कराया गया है, कीटनाशक का छिड़काव कराया जा रहा है` गन्ना विकास के लिए सभी प्रकार की सुबिधा किसान को दिया जा रह है ` पूर्व सहायक निदेशक ओम प्रकाश गुप्ता ने ग्राम-पिपराईचा में किसान श्री रमाशंकर सिंह का गन्ना देखा पायरिला कीट लगा है, उसमें परजीवी भी उपलब्ध है, सिचाई करने का सुझाव दिया` श्री जितेंद्र कुमार दुबे ने बताया कि हमने घास नियंत्रण के लिए रक्षक खर पतवार नाशक का छिड़काव किया था जो बहुत अच्छा काम किया है` ढाढ़ा चीनी मिल द्वारा गाँव में विशेष प्रशिक्षण अभियान चलाया जा रहा है ।

इग्नू शिक्षा प्राप्ति के लिए एक उत्तम विकल्प : प्रो विनोद मोहन मिश्र

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। (इग्नू) इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय शिक्षा प्राप्ति के लिए एक उत्तम विकल्प है यह शिक्षार्थियों के लिए शिक्षण की असीम संभावनाओं के द्वार खोलती है। भारत में दूरस्थ शिक्षा के रूप में इसका स्थान अद्वितीय है। इसकी पाठ्य सामग्रियां उत्कृष्ट होती हैं। उक्त बातें बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय स्थित 27128 इग्नू अध्ययन केंद्र में परिचय समारोह की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो विनोद मोहन मिश्र ने कही। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय स्थित इग्नू अध्ययन केंद्र अपने विद्यार्थियों के सहयोग के लिए सदैव तत्पर है। इग्नू अध्ययन केंद्र के समन्वयक प्रो गौरव तिवारी ने कहा कि इग्नू प्रत्येक शिक्षा प्राप्त करने वालों के द्वार तक शिक्षा को पहुंचाने के भाव से लचीलापन लेकर चलने वाला विश्वविद्यालय है। लोगों का विश्वविद्यालय के ध्येय वाक्य के साथ यह 1985 से कार्य कर रहा है। इसकी अध्ययन सामग्री प्रतियोगी परीक्षाओं को देने वाले विद्यार्थियों में आरंभ से ही लोकप्रिय रही हैं। अपने स्नातक, स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के साथ साथ अनेक प्रमाणपत्र कार्यक्रमों और डिप्लोमा के कार्यक्रम इसके अंतर्गत चलाए जा रहे हैं। इसके प्रवेश की प्रक्रिया जनवरी और जुलाई के सत्रों में वर्ष में दो बार होती है। परीक्षाएं जून और दिसंबर के महीनों में होती हैं। समारोह को डॉ निगम मौर्य, डॉ बीना कुमारी, डॉ पारसनाथ, डॉ यज्ञेश नाथ त्रिपाठी ने संबोधित किया। समारोह में डॉ पंकज दुबे, राजकिशोर, संजय , आरती सिंह, काजल सिंह आदि सहित विद्यार्थियों की सहभागिता रही।

राहुल गांधी और सोनिया गांधी पर ईडी की कार्रवाई के विरोध में कांग्रेसियों में उबाल, किया प्रदर्शन

संवाददाता

कुशीनगर। जिला मुख्यालय कांग्रेस पार्टी के कार्यालय से जिला अधिकारी के कार्यालय तक पदयात्रा कर कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष राधे विश्वकर्मा एवं उड़ीसा के प्रभारी पूर्व विधायक अजय कुमार लालू जी के साथ सैकड़ो कार्यकताओं ने राहुल गांधी और सोनिया गांधी पर ईडी की कार्रवाई के विरोध में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया। रवि नगर स्थित जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर सैकड़ो कार्यकर्ता एकत्रित हुए हाथों में तख्तियार लेकर जिस पर लिखा हुआ था विपक्ष पर ईडी का वार मोदी और शाह का राजनीतिक हथियार, हम डरने वाले नहीं हम झुकने वाले नहीं, पूरा देश राहुल गांधी के साथ है, ऐसे तारों की तख्तियां के साथ सैकड़ो कार्यकर्ता सड़क पर चलते हुए जिलाधिकारी के कार्यालय तक पहुंचे। उड़ीसा के प्रभारी एवं तमकुही के पूर्व विधायक अजय कुमार लालू ने संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र की भाजपा की सरकार राहुल गांधी के गुजरात यात्रा के बाद बौखला गई है उसे यह मालूम चल गया है कि अब उसके हाथ से उसका गुजरात निकलने वाला है वहां कांग्रेस की सरकार बनने वाली है और गुजरात में अदानी और अंबानी के लिए लाखों करोड़ों का भ्रष्टाचार जमीन घोटाला का सच सामने आ रहा है ऐसे में यह एड की कार्रवाई करके उसे परिवार को डराना चाहते हैं जो परिवार महात्मा गांधी के आदर्शों पर चलते हुए अपना सब कुछ देश के निछावर कर चुका है जिस परिवार ने अपनी पूरी प्रॉपर्टी देश के नाम कर दी उसे परिवार पर या 90 करोड़ के भ्रष्टाचार का आरोप लगा रहे हैं। राहुल गांधी और सोनिया गांधी जी को डराने का प्रयास कर रहे हैं लेकिन गांधी के वंशज किसी से डरने वाले नहीं है। राहुल गांधी ने कहा है कि अगर देश की आजादी के लिए पंडित नेहरू 13 साल जेल रह सकते हैं तो राहुल गांधी भी अगर इस देश के दलित शोषित वंचित गरीब और मजदूरों के लिए 10 साल में जेल चला जाए तो यह फख्र की बात होगी । अजय कुमार लालू ने इस कार्रवाई की निंदा करते हुए और संबोधित करते हुए कहा कि अगर इसी तरीके से विपक्ष के नेताओं पर सरकार अपना तानाशाही रहो यह अपनाती रही तो कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता अपने देश की आजादी की रक्षा के लिए लोकतंत्र की रक्षा के लिए अपनी जान की बाजी लगाने के लिए तैयार है। इस मौके पर सभा को पूर्व जिला अध्यक्ष मनोज सिंह पीसीसी सदस्य नागेंद्र सिंह वारिस अली अविनाश गोंड जाकिर हुसैन संतोष शर्मा राजकुमार अग्रहरि आर्यन आफताब आलम पूर्व विधानसभा प्रत्याशी मोहम्मद जहीरूद्दीन अंशु मनी त्रिपाठी ऋषिकेश मिश्रा,आफताब आलम तारकेश्वर सिंह अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष अजीमुल्ला अंसारी, पलटन यादव जफरुल्लाह महिला जिला अध्यक्ष वृंदा प्रजापति, सीमा भारती चुन चुन खातून तोशीबा खान अनिल यादव परवेज आलम अब्दुल हामिद अंसारी सम्राट सिंह भानु प्रताप सिंह स्वामीनाथ यादव प्रवीण सिंह जाहिद कुरैशी भिखारी सिंह सहित सैकड़ो कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन में शामिल रहे।

संक्षिप्त डायरी

बिवांर पुलिस ने गैंगस्टर सहित दो अभियुक्तों को अवैध गांजे के गिरफ्तार किया

संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर की बिंवार पुलिस ने अपराधियों की धरपकड़ के लिये चलाये जा रहे अभियान के तहत आठ किलो पचास ग्राम अवैध गांजे सहित एक हीरो स्पलेन्डर मोटर साइकिल के साथ 24 वर्षीय अभियुक्त जितेन्द्र उर्फ जीतू पुत्र वकील ,जबकि वही 22 वर्षीय वीरपाल उर्फ धीरु पुत्र संन्तराम को इमिलिया बिवांर मार्ग स्थित नहर की पुलिया के पास से गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की। जबकि इस मामले में बिवांर पुलिस ने दोनों अभियुक्तों के खिलाफ मु0अ0सं0 58/2025 धारा 8/20 एनडीपीएस अउळ के तहत मामला दर्ज कर अदालत में पेश किया। जबकि बिंवार पुलिस ने बताया कि पकड़े गये दोनों ही अभियुक्त शातिर किस्म के अपराधी हैं, जबकि जितेन्द्र गैंगस्टर अपराधी है, उसके खिलाफ महोबा, मौदहा राठ सहित करीब दस अपराधिक मामले दर्ज हैं, वही अभियुक्त वीरपाल के खिलाफ लखनऊ के चिनहट सहित बिंवार में दो आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि दोनों ही अभियुक्तों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में खासतौर से एस आई रविन्द्र कुमार, एस आई जगतनारायण, कांस्टेबल राजेश कुमार यादव, कांस्टेबल राजकमल यादव, कांस्टेबल रवीन्द्र प्रताप मौर्य सहित कांस्टेबल हरिनन्दन सिंह शामिल रहे।

कानपुर से अगवा किये गये दो युवकों को पुलिस ने हमीरपुर क्षेत्र एक घर से सकुशल किया बरामद

संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश में इस वख्त अपराधियों के हौसले कितने बुलंद है, इसकी एक मिसाल हमीरपुर में उस वख्त देखने को मिली, कि जब कानपुर नगर के किदवई नगर क्षेत्र से बेखौफ अपराधियों ने दो युवकों को अगवा कर हमीरपुर के ग्वालटोली मुहाल के एक मकान में करीब दो तीन दिन तक बंद रखा और अगवा किये गये युवकों के घरवालों से उन्हें छोडने के बदले फिरौती की भी मांग की, जबकि फिरौती का दबाव बनाने के लिये अपराधियों ने दोनों युवकों को बुरी तरह मारा पीटा, वही अगवा किये गये युवकों के घरवालों से अपराधियों ने फोन से फिरौती की मांग भी की, जिसके बाद युवकों के घरवालों ने किदवई नगर थाने की पुलिस को मामले की जानकारी दी, वही मामले की जानकारी मिलते ही कानपुर पुलिस आनन फानन हरकत में आगई, और मोबाईल लोकेशन ट्रैकिंग सहित सर्विलांस के सहारे सफेद रंग की प्राईवेट कार और सिविल ड्रेस में हमीरपुर पहुँचकर ग्वालटोली के उस मकान में पहुँच कर अगवा किये गये दोनों युवकों को सकुशल बरामद कर कानपुर ले जाने में बड़ी कामयाबी हासिल की, जबकि युवकों को अगवा करने वाले दोनों हिस्ट्रीशीटर अपराधी पुलिस को चकमा देकर भागने में कामयाब रहे, हालांकि हैरत की बात तो ये है कि, हिस्ट्रीशीटर अपराधी अगवा किये गये दोनों युवकों को दो तीन दिन से हमीरपुर स्थित ग्वालटोली के मकान में रखकर अपहरण की वारदात को अंजाम दे रहे थे, लेकिन हमीरपुर की सदर कोतवाली पुलिस को मामले की भनक तक नहीं थी, लेकिन जब कानपुर पुलिस अगवा किये गये दोनों युवकों को छुडाकर किंग रोड में खडी अपनी कार के पास लेकर आ रही थी, तो बताया गया कि हल्का प्रभारी और पीआरवी मौके पर मौजूद थी, हालांकि अपहरण के इस संगीन मामले में हमीरपुर पुलिस से पूछने के बाद भी अभी तक कोई अपडेट नहीं मिला है। वही अपहरण की वारदात को अंजाम देने वाले दोनों अपराधी अभी फरार है।

विश्व हीमोफीलिया दिवसः कुशीनगर चैरिटेबल ब्लड बैंक द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता

कुशीनगर। विश्व हीमोफीलिया दिवस के अवसर पर कुशीनगर चैरिटेबल ब्लड बैंक में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हीमोफीलिया जैसी दुर्लभ रक्त विकार के प्रति जनजागरूकता फैलाने हेतु विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं। ब्लड बैंक के संचालक राजीव तिवारी ने बताया कि हर वर्ष 17 अप्रैल को यह दिवस विश्व हीमोफीलिया महासंघ (हत्रह्र) के संस्थापक फ्रैंक श्नेबेल के जन्मदिवस की स्मृति में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि इस दिवस को मनाने का उद्देश्य हीमोफीलिया और अन्य रक्तस्राव विकारों के प्रति समाज में जागरूकता फैलाना है, जिससे समय पर निदान और प्रभावी इलाज संभव हो सके। इस मौके पर रोटरी क्लब कुशीनगर के अध्यक्ष वाहिद अली ने कहा कि हीमोफीलिया एक गंभीर वंशानुगत रक्त विकार है, जिसमें रक्त के थक्के बनने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है, जिससे मामूली चोट पर भी अत्यधिक रक्तस्राव हो सकता है। यह रोग सही जानकारी और समय पर इलाज से नियंत्रित किया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान कई स्वैच्छिक रक्तदाताओं ने भी रक्तदान कर इस पुनीत अवसर को सार्थक बनाया।

पड़ोसियों ने बंद किया पुराना रास्ता

कुशीनगर। जिले के रविंद्रनगर थाना क्षेत्र के पकड़ी बुजुर्ग गांव में रास्ता विवाद गहरा गया है। रमेश दुबे और कमलेश दुबे के परिवार का आरोप है कि पड़ोसियों ने उनके घर से गांव और खेतों तक जाने वाला पुराना रास्ता बंद कर दिया है। इससे चार भाइयों के परिवार के करीब 30 लोग प्रभावित हैं। यह रास्ता रमाशंकर के मकान के पूर्व और धर्मेंद्र की झोपड़ी के बीच से जाता है। पीड़ित परिवार का कहना है कि यह मार्ग पूर्वजों के समय से चला आ रहा है। रामशीष, बीरेंद्र, नरेंद्र, धर्मेंद्र और अतुल अनमोल ने लकड़ी और झाड़-फूस रखकर इस रास्ते को बंद कर दिया है। दो साल पहले भी इसी तरह रास्ता बंद किया गया था। तब एसडीएम पड़रौना के आदेश पर लेखपाल ने रास्ता खुलवाया था। विपक्षियों ने अब एक नया रास्ता अपने घर के सामने से दिया है। इस नए रास्ते पर कुर्सी या गाड़ी खड़ी करके आवागमन में बाधा डाली जाती है। पीड़ित परिवार के दोनों भाई मजदूरी करके गुजारा करते हैं। उनका कहना है कि पुराना रास्ता उनकी आवाजाही का एकमात्र मार्ग है। नए रास्ते के कारण विवाद और मारपीट की आशंका है। परिवार ने एसडीएम, तहसील, पुलिस और मुख्यमंत्री के शिकायती पोर्टल पर न्याय की गुहार लगाई है। वार्ड सभासद ने पुराने रास्ते की पुष्टि की है। पड़रौना एसडीएम व्यास नारायण उमराव ने कहा है कि वे तहसीलदार से बात कर उचित कार्रवाई कराएंगे।

संपादकीय

वक्फ की आड़ में हिंदुओं को जानबूझकर निशाना बना रहे

नरवीर यादव
कार्यकारी संपादक

बंगाल में वक्फ कानून को लेकर हिंसा का सिलसिला जिस तरह तेज और सांप्रदायिक होता जा रहा है, जिस तरह से हिन्दुओं को निशाना बनाया जा रहा है, उन्हें मुर्शिदाबाद से पलायन को विवश किया जा रहा है, वह मुस्लिम तुष्टीकरण और दुष्प्रचार की खतरनाक राजनीति का प्रतिफल तो है ही, वह कुशासन एवं अराजकता की भी चरम पराकाष्ठा भी है। नए वक्फ कानून को लेकर कुछ राजनीतिक दल मुस्लिम समाज को विशेषत: किशोर बच्चों को हिंसा एवं तोड़फोड के लिये जानबूझकर सड़कों पर उतारने में लगे हुए हैं। वे उन्हें अराजकता एवं उन्माद के लिए उकसा भी रहे हैं और तरह-तरह से प्रोत्साहन दे रहे हैं। अराजकता फैलाने वाले किस तरह बेखौफ हैं, इसकी पुष्टि इससे होती है कि वे सरकारी-गैरसरकारी वाहनों को तोड़ने, जलाने के साथ पुलिस पर भी हमले कर रहे हैं। बंगाल के विभिन्न जिलों में वक्फ कानून के विरोध के बहाने फैलाई जा रही अराजकता इसलिए भी थमने का नाम नहीं ले रही हैं, क्योंकि खुद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस कानून के खिलाफ खड़ी होकर राजनीतिक रोटियां सेंकने का काम कर रही हैं। पश्चिम बंगाल में हिंसा का बढ़ना, हिन्दुओं में डर पैदा होना, भय का वातावरण बनना, आम जनजीवन का अनहोनी होने की आशंकाओं से घिरा होना चिंताजनक भी है और राष्ट्रीय शर्म का विषय भी है।

बंगाल पुलिस के नाकारापन एवं ममता सरकार के मुस्लिम तुष्टिकरण का ही दुष्परिणाम है कि मुर्शिदाबाद के साथ ही अन्य शहरों में भी वक्फ कानून के विरोध की आड़ में हिंसा, तोड़फोड, आगजनी हो रही है। खतरनाक यह है कि इस दौरान हिंदुओं को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने वक्फ कानून विरोधियों की अराजकता से उपजे हालात का संज्ञान लिया। मामला सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच गया है। इससे शर्मनाक एवं दर्दनाक और कुछ नहीं हो सकता कि मुर्शिदाबाद में 11 अप्रैल को हुई हिंसा के बाद करीब 500 हिंदू पलायन कर गए हैं। हिंदू परिवारों का आरोप है कि हिंसा के दौरान उनको चुन-चुनकर निशाना बनाया गया। उनके पीने के पानी में जहर तक मिला दिया गया है। इस हिंसा की जांच एजेंसियों ने पोल खोल दी है, यह हिंसा पूरी प्लानिंग के तहत की गई थी, जिसमें तुर्की से फंडिंग और स्थानीय मदरसों की मिलीभगत सामने आई है। हमलावरों को ट्रेनिंग दी गई और इनाम की व्यवस्था भी की गई थी। ममता बनर्जी एवं उनकी सरकार देश में एकमात्र ऐसी सत्तारुढ़ पार्टी एवं नेता बन गई है जिसका देश के संविधान, न्यायपालिका एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भरोसा नहीं रह गया है।

समाजसेवा के नाम पर धोखाधड़ी व ठगी करने का आरोपी गिरफ्तार

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

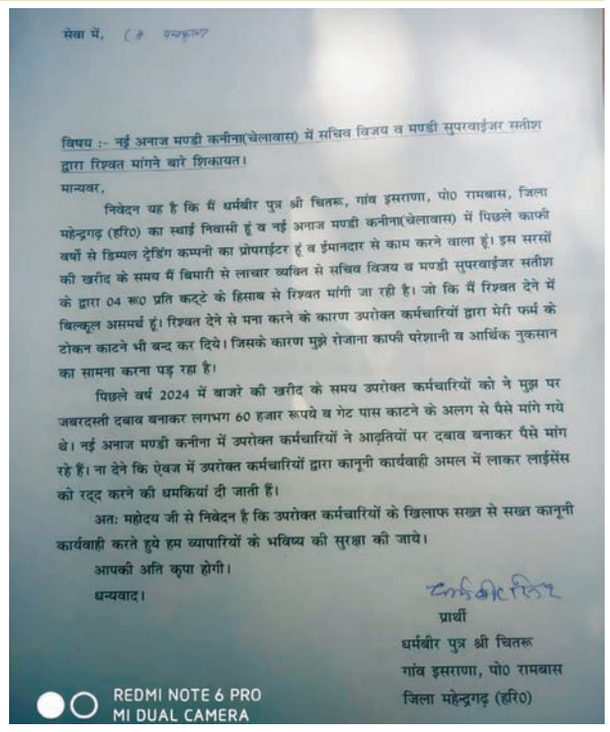

नूंह। नूंह में साइबर थाना पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। समाजसेवा की आड़ में आम लोगों को ठगने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान मो. सारिक पुत्र जैकम हुसैन निवासी गांव रानीका थाना नगीना जिला नूंह के रूप में हुई है। आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्यायक संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। जिसे गुप्त सूचना पर एक ठिकाने से साइबर थाना नूंह की टीम ने धर दबोचा और उसके कब्जे से दो मोबाइल फोन व दो सिम कार्ड बरामद किए गए हैं। जांच में सामने आया है कि आरोपी मो. सारिक अपनी असली पहचान छिपाकर फर्जी मोबाइल फोन, सिम कार्ड, व्हाट्सएप अकाउंट और जीमेल आईडी का इस्तेमाल करता था। वह खुद को समाजसेवी बताकर लोगों को भरोसे में लेता और फिर साइबर ठगी को अंजाम देता था। आरोपी की ठगी का तरीका न केवल तकनीकी था, बल्कि आम आदमी की भावनाओं से खेलने वाला भी था। बता दें कि जिला नूंह के कई युवा तकनीकी जानकारी का गलत इस्तेमाल करते हुए अलग-अलग तरीकों से ठगी को अंजाम दे चुके हैं। जिनमें पेंसिल बुकिंग, होटल बुकिंग, कैब बुकिंग, ओएलएक्स फ्रॉड, वर्क फ्रॉम होम स्कैम जैसे तरीकों के जरिए कई आरोपी पकड़े जा चुके हैं । ये युवक सोशल मीडिया, फर्जी वेबसाइट्स और डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल कर लोगों को शिकार बनाते हैं। साइबर थाना नूंह और जिला पुलिस समय-समय पर विशेष अभियान चलाकर ऐसे ठगों के खिलाफ कार्रवाई करती रही है। हाल ही में चलाए गए एक विशेष अभियान के तहत भी कई आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। इसके साथ ही, आम जनता को जागरूक करने के लिए पुलिस की ओर से स्कूलों, कॉलेजों, और पंचायत स्तर पर जागरूकता शिविर भी लगाए जा रहे हैं ताकि लोग किसी भी तरह के साइबर फ्रॉड से सतर्क रहें।साइबर थाना नूंह ने जनता से अपील की है कि वे किसी भी अज्ञात व्यक्ति से मोबाइल या सोशल मीडिया पर मिली जानकारी के आधार पर लेन-देन न करें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि साइबर अपराधों पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

जरूरी सूचना

सुधी पाठकों को सूचित किया जाता है कि समाचार गेट के नाम पर अगर कोई पत्रकार आपसे पैसे की मांग करता है तो कृपया 9212339503 पर संपर्क करें। समाचार गेट में कार्य कर रहे पत्रकार सिर्फ वही हैं जिनके नाम से खबर छपती हैं।

मार्केट कमेटी कनीना के सचिव व मंडी सुपरवाईजर पर लगे अवैध वसूली के गंभीर आरोप

आढती द्वारा अवैध वसूली का पैसा न देने पर फसल खरीद कार्य से किया जा रहा वंचित

पीडित आढती ने सीएम सहित उच्च अधिकारियों को कार्वाई के लिए भेजी शिकायत

4 रूपये प्रति बैग के हिसाब से अवैध वसूली के लगाए हैं आरोप

फसल खरीद के नाम पर व्यापारियों ने गेटपास जारी करने के नाम पर मार्केट

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना मंडी में फसल खरीद कार्य को लेकर व्यापारियों ने मार्केट कमेटी के सचिव तथा मंडी सुपरवाइजर पर 4 रूपये प्रति बैग के हिसाब से अवैध वसूली करने के गंभीर आरोप जडे हैं। जिसे न देने पर उन्होंने मार्केट कमेटी कर्मचारियों द्वारा फिलहाल चल रही सरसों व गेहूं की खरीद कार्य में हिस्सा लेने से वंचित करने की बात भी कही है। इस बारे में उन्होंने मार्केटिंग बोर्ड के मुख्य प्रशासक पंचकूला, जेडए गुरूग्राम, जिला उपायुक्त नारनौल, एसडीएम कनीना सहित सीएम विडों पर दर्ज कराई गई शिकायत में उन्होंने कहा कि कनीना मंडी में उनकी ओर से बाबा उमन सिंह व डिम्पल ट्रेडिंग कम्पनी के नाम से खरीफ व रबि फसल की खरीद की जाती है। बीते अक्टूबर माह में खरीफ फसल खरीद के दौरान मार्केट कमेटी के सचिव विजय सिंह तथा मंडी सुपरवाइजर सतीश कुमार की ओर से 4 रूपये प्रति बैग के हिसाब से 60 हजार रूपये अवैध वसूली,रिश्वत मांगी थी जिसे न देने पर अब उन्हें खरीद कार्य से वंचित कर दिया है। उनके लाईसेंस को भी रद्द करने की धमकी दी जा रही है। मार्केट कमेटी की ओर से फसल खरीद के टोकन बंद कर दिए। जिससे उन्हें परेशानी का सामना करना पड रहा है। उन्होंने बताया कि 2024 में बाजरे की खरीद के समय इन कर्मचारियों ने नाजायज रूप से दबाव बनाकर 60 हजार रूपये रिश्वत तथा गेट पास जारी करने के अलग से पैसे मागें थे। जिसे न देने पर लाइसेंस रद्द करने की धमकी दी जा रही है। पीडित आढती ने कहा कि आढत लाईसेंस रिन्यु करवाने में 30 अप्रैल तक का समय होता है। इस ग्रेस पीरियड के दौरान तक वह किसानों से फसल खरीद कार्य कर सकता है। 30 अप्रैल के बाद मार्केट कमेटी कार्यालय द्वारा आढती को लाईसेंस रिन्यु करवाने के लिए नोटिस जारी किए जाते हैं। उसके बाद लाईसेंस रिन्यु करवाने पर 600 रूपये लेट फीस अदा करनी पडती है। ग्रेस पीरियड में मार्केट कमेटी प्रशासन खरीद कार्य में हिस्सा लेने से किसी भी आढती को वंचित नहीं कर सकता। लेकिन मार्केट कमेटी सचिव व मंडी सुपरवाईजर जानबूझकर रंजिसवश ऐसा कर रहे हैं। उच्च अधिकारियों को भेजी गई शिकायत में उन्होंने भ्रष्ट सचिव विजय सिंह व मंडी सुपरवाइजर सतीश कुमार के विरूध कठौर कार्रवाई करने की मांग की है।

इस बारे में मार्केट कनीना के सचिव विजय सिंह ने बताया कि मार्केट कर्मचारी फसल खरीद के समय मंडी गेट पर की गेटपास जारी करते हैं। जो किसान आकर उन्हें जिस फर्म का नाम लेकर गेटपास जारी करने की कहते हैं उसी का जारी कर दिया जाता है। धर्मबीर सिंह के नाम से दो फर्म संचालित हैं जिनका लाईलेंस 31 मार्च 2025 को समाप्त हो चुका है। इसके द्वारा दरखास्त आदि दस्तावेज दिए जाएगें उसके बाद लाईसेंस को रिन्यु कर दिया जाएगा। उनकी ओर से फसल खरीद से वंचित नहीं किया गया है।

इस बारे में मंडी सुपरवाईजर सतीश कुमार ने बताया कि धर्मबीर सिंह की ओर से जो आरोप लगाए जा रहे हैं वे बेबुनियाद हैं। उनसे यह एच रजिस्टर भी सत्यापित करवा कर ले गया था। दो दिन पूर्व उसने गेटपास जारी करवाने की दलील दी थी जहां भीडभाड थी। व्यवस्था के मुताबिक उनकी बारी आने पर गेटपास जारी करने को कहा था। जिस पर वह तैश में आ गया ओर वहां से चला गया।

इस बारे में मार्केटिंग बोर्ड के मुख्य प्रशासक मुकेश कुमार आहुजा ने बताया कि अब उनके संज्ञान में यह घटनाक्रम आया है। जिसकी उच्च स्तरीय जांच कारवाई जाएगी। जांच में दोषी पाए जाने वाले कर्मचारियों के विरूध कार्रवाई की जाएगी।

सेवा में, (C.M. ...)

विषय :- नई अनाज मण्डी कनीना(चेलावास) में सचिव विजय व मण्डी सुपरवाईजर सतीश द्वारा रिश्वत मांगने बारे शिकायत।

मान्यवर,

निवेदन यह है कि मैं धर्मबीर पुत्र श्री चितरू, गांव इसराणा, पो0 रामबास, जिला महेन्द्रगढ़ (हरि0) का स्थाई निवासी हूं व नई अनाज मण्डी कनीना(चेलावास) में पिछले काफी वर्षों से डिम्पल ट्रेडिंग कम्पनी का प्रोपराईटर हूं व ईमानदार से काम करने वाला हूं। इस सरसों की खरीद के समय मैं बिमारी से लाचार व्यक्ति से सचिव विजय व मण्डी सुपरवाईजर सतीश के द्वारा 04 रू0 प्रति कट्टे के हिसाब से रिश्वत मांगी जा रही है। जो कि मैं रिश्वत देने में बिल्कुल असमर्थ हूं। रिश्वत देने से मना करने के कारण उपरोक्त कर्मचारियों द्वारा मेरी फर्म के टोकन काटने भी बन्द कर दिये। जिसके कारण मुझे रोजाना काफी परेशानी व आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है।

पिछले वर्ष 2024 में बाजरे की खरीद के समय उपरोक्त कर्मचारियों को ने मुझ पर जबरदस्ती दबाव बनाकर लगभग 60 हजार रूपये व गेट पास काटने के अलग से पैसे मांगे गये थे। नई अनाज मण्डी कनीना में उपरोक्त कर्मचारियों ने आढ़तियों पर दबाव बनाकर पैसे मांग रहे हैं। ना देने कि ऐवज में उपरोक्त कर्मचारियों द्वारा कानूनी कार्यवाही अमल में लाकर लाईसेंस को रद्द करने की धमकियां दी जाती हैं।

अत: महोदय जी से निवेदन है कि उपरोक्त कर्मचारियों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्यवाही करते हुये हम व्यापारियों के भविष्य की सुरक्षा की जाये।

आपकी अति कृपा होगी।

धन्यवाद।

प्रार्थी

धर्मबीर पुत्र श्री चितरू

गांव इसराणा, पो0 रामबास

जिला महेन्द्रगढ़ (हरि0)

अधिक आवक के चलते कनीना मंडी में आज से रोस्टर वाइज होगी सरसों की खरीद

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना की नयी आनाज मंडी चेलावास में उठान कार्य के चलते बृहस्पतिवार को सरसों की खरीद नहीं की जा सकी। वहीं सरसों की अधिक आवक के चलते अब रोस्टर वाइज खरीद करने का शेड्यल जारी किया गया है।

इस बारे में मार्केट कमेटी के सचिव विजय सिंह ने बताया कि शुक्रवार 18 अप्रैल से ये रोस्टर लागू होगा। जिसके मुताबिक 18 अप्रैल को अगिहार, बेवल, बागोत भडफ, भोजावास, चेलावास, छितरोली, ढाणा, धनौंदा, दोंगडा अहीर, दोंगडा जाट, गाहडा, गुढा, गोमला, गोमली, इसराना के किसानों की सरसों खरीदी जाएगी। इसी प्रकार 19 अप्रैल को झाडली, झिगावन, ककराला, कलवाडी, कनीना, कपूरी, करीरा, केमला, खरकडा बास, खेडी, खैराना, कोका, कोटिया, मानपुरा, मोहनपुर, मोडी तथा 21 को मुंडिया खेडा, नांगल, नोताना पडतल, पाथेडा, पोता, रामबास, रसूलपुर, स्याणा, सेहलंग, सिहोर, सुंदरह, तलवाना, उच्चत व उन्हाणी के किसानों से सरसों की खरीद की जाएगी। किसान सुबह 8 बजे से सांय 5 बजे तक साफ-सुथरी फसल मंडी में ला सकते हैं। उन्होंने बताया कि कनीना मंडी में कुल 65 व्यापारी पंजीकृत हैं। जिनमें से 21 व्यापारी फसल खरीद में हिस्सा ले रहे हैं। कनीना की पुरानीमंडी में अब तक 1258 किसानों का 41245 क्विंटल गेहूं की खरीद हो चुकी है। खरीद एजेंसी फूड सप्लाई की ओर से एमएसपी 2425 रूपये प्रति क्विंटल की दर से खरीद की जा रही है। खरीद एजेंसी की ओर से ध्यान सिंह ने बताया कि मंडी में प्रर्याप्त मात्रा में बारदाना उपलब्ध है वहीं उठान कार्य में तेजी लायी जा रही है। नयी मंडी चेलावास में स्टेट वेयर हाउस की ओर से सरसों की खरीद की जा रही है। यहां पर अब तक 7805 किसानों से 171953 क्विंटल सरसों की खरीद की जा चुकी है। आवक अधिक होने के कारण बृहस्पतिवार, 17 अप्रैल को एक दिन का ब्रेक दिया गया था।

मुख्यमंत्री उडनदस्ते ने नांगल हरनाथ से काबू की 1050 क्विंटल सरसों

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। मुख्यमंत्री उड़न दस्ता रेवाड़ी के डीएसपी व नारनौल की संयुक्त टीम द्वारा बुधवार सांय नांगल हरनाथ में छापेमारी कर 1050 क्विंटल सरसों का अवैध स्टॉक काबू किया है। जिस पर मार्केट कमेटी कनीना द्वारा 62475 रूपये मार्केट फीस तथा 31238 रूपये के जुर्माने सहित 93713 रूपये वसूल किए हैं। अन्य गावों में भी सरसों व गेहूं का अवैध स्टॉक होने की सूचना मिल रही हैं। बता दें कि मुख्यमंत्री उडन दस्ता के डीएसपी वीर सिंह रेवाड़ी के दिशा निर्देश पर गुप्तचर विभाग नारनौल की सूचना पर निरीक्षक राजेश कुमार, ड्युटी मैजीस्ट्रेट प्रेम सिंह, मार्केट कमेटी के सचिव विजय सिंह व ड्यूटी मजिस्ट्रेट ईटीओ विक्रांत यादव ने गांव नांगल हरनाथ में एसएस ट्रेडर्स के गोदाम पर छापेमारी की गई। जहां फर्म संचालक नरेन्द्र गोदाम पर हाजिर मिला। गोदाम का निरीक्षण किया तो 1050 किवंटल सरसों रखी मिली। मार्केट कमेटी के सचिव विजय सिंह ने 1050 किवंटल सरसो पर मार्केट फीस व जुर्माना सहित 93713 रूपये वसल किए। उन्होंने जीएसटी भी अदा करने को कहा है। बता दें कि मार्केट कमेटी कर्मचारियों की लचर व्यवस्था के कारण कनीना व आसपास के गावों में बने गोदामों में सरसों व गेहूं के अवैघ स्टॉक होने की संभावना है। टीम ने इससे पूर्व सेहलंग में छापेमारी कर 2826 क्विंटल सरसों काबू की थी। जिस पर मार्केट कमेटी कनीना की ओर से गोदाम मालिक कृष्ण कुमार से 16814700 रूपये कीमत की सरसों पर 168147 रूपये की मार्केट फीस तथा 84074 रूपये का जुर्माना तथा 1681470 रूपये का जीएसटी टेक्स सहित कुल 1933691 रूपये की वसूली की थी।

जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की पेयजल गुणवत्ता में सुधार की कवायद

ग्रामीण क्षेत्र में पेयजल गुणवत्ता की जांच करेगी मोबाइल जल प्रशिक्षण लैब

जिले के सभी सात खंडों के गांवों मे जाएगी मोबाइल जल प्रशिक्षण लैब

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कार्यकारी अभियंता अमित संडिला ने मोबाइल जल प्रशिक्षण लैब की वैन की हरी झंडी दिखा किया गांवों मे पेयजल की गुणवत्ता की जांच हेतु रवाना

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। साल में एक बार पानी की गुणवत्ता की जांच हेतु विभाग द्वारा विशेष रूप से अभियान चलाया जाता है। हर साल की तरह इस बार भी जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग ने जिला नूंह में मोबाइल जल परीक्षण लैब के माध्यम से ग्राम पंचायतों में पीने के पानी की गुणवत्ता की जांच का सराहनीय कार्य शुरू कर दिया है जिसका आगाज जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कार्यकारी अभियंता अमित संडिला ने खंड इंडरी के गांवों से मोबाइल वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करके किया है। विभाग के जिला सलाहकार नरेंद्र भारद्वाज ने बताया कि यह मोबाइल वैन जिला नूह के सभी सात खंडों के विभिन्न गांवों में जाकर पानी के स्त्रोतों से पेयजल के सेम्पल एकत्रित करेगी और उनकी जीवाणु व केमिकल जांच भी करेगी। विभाग का उददेश्य है कि इस मोबाइल वैन के माध्यम से पेयजल की गुणवत्ता की सही जांच हो और लोगों को साफ व सुथरा पानी पीने के लिए उपलब्ध करवाया जा सके। इसी तरह पानी की जांच करते हुए यह मोबाइल वैन सालभर हरियाणा प्रदेश के सभी जिलों के ग्रामीण क्षेत्र में जाकर पानी की गुणवत्ता की जांच करेगी। जिला लैब केमिस्ट ताहिर हुस्सैन ने बताया कि यह मोबाइल वाटर टेसटिंग लैब मुख्य रूप से पानी में पीएच, एल्कलेनिटी, टीडीएस, हार्डनेस, रेज्यूअल क्लोरीन, नाइट्रेट फ्लोराइड, टर्बिडिटी व माइक्रोबायोलॉजिकल मानकों को जांच करेगी। मोबाइल वाटर टेसटिंग लैब को रवाना करते समय बीआरसी मोहम्मद जैकम, संदीप शर्मा, हरिओम, खुर्शीद अलावलपुर, अकबर, हामिद घासेडा, गिरिराज, देशराज व मोबाइल लैब की टीम उपस्थित थी।

जूस के नाम पर बिक रहा धीमा जहर

समाचार गेट/ब्यूरो

होडल। शहर होडल में अनेकों स्थानों पर मैंगो शेक व जूस के नाम पर नागरिकों को धीमा जहर बेचने का कार्य किया जा रहा है। होडल शहर में बस अडडा, हसनपुर चौराहे के समीप, पुलिस थाने के सामने, परुानी सब्जी मंड़ी, अग्रसेन चौक सहित अनेकों स्थानों पर मैंगो शेक व अनार, मौसमी, गन्ना, मिक्स जूस को बेचने का कार्य किया जा रहा है।

जूस विक्रेताओं के द्वारा अपनी दुकानां के बाहर ऊंचाई तक अपने सामान को लगाया हुआ है व उनके द्वारा खराब अनार, मौसमी, अनानास व आम के जूस को निकाला जा रहा है। इनके द्वारा ऊंचा सामान लगाने के कारण ग्राहकों को अंदर इनको बनने पर कुछ भी दिखाई नहीं देता है तथा यह घटिया फ लों के रस में स्वास्थ्य को नुकसान पहंचाने वाले रासायनिक पदार्थों को मिला कर खुलेआम बेचने में लगे हुए हैं।

इसके अलावा इनके द्वारा जूस में कच्ची बर्फ का ईस्तेमाल किया जाता है। अपने स्वास्थ्य को लाभ मिलने की नीयत से इनको पीने वाले नागरिकों के स्वास्थ्य पर इसका उल्टा दुष्प्रभाव पड़ता है तथा इस मिलावटी जूस को पीने से उनके शरीर पर भारी दुष्प्रभाव पड़ता है। होडल में बिकने वाले इस मिलावटी फ्रूट जूसों पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के द्वारा कोई कार्रवाई अमल में नहीं लाए जाने के कारण होडल में दिन प्रतिदिन इनकी संख्या बढ़ती जा रही है तथा इस फ्रूट जूस को पीने से नागरिकों के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाब पड़ रहा है। होडल के नागरिकों ने इस प्रकार से बिक रहे फ्रूट जूस पर पूरी तरह से पाबन्दी लगाने की मांग की है।

ध्यानार्थः

हिन्दी दैनिक समाचार गेट एंव city24news.in द्वारा कवरेज की गई आपकी खबरों को आप यहां नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करके भी देख सकते हैं।

अगर आप हिन्दी दैनिक समाचार गेट की प्रिंट कॉपी लेना चाहते हैं तो आप फरीदाबाद ओल्ड रेड लाइट पर न्यूज पेपर स्टॉल से एंव गोपाल न्यूज पेपर एजेंसी अंबेडकर चौक बल्लभगढ से प्राप्त कर सकते हैं।

न्यूज पोर्टल पर देखने के लिए इस लिंक पर क्लिक करें
https://city24news.in/

फेसबुक पर देखने के लिए इस लिंक पर क्लिक करें
https://www.facebook.com/city24news.in

ई-पेपर देखने के लिए इस लिंक पर देखें
https://city24news.in/e-paper

आप अपनी खबर अथवा सूचना भेजने के लिए
samachargate@gmail.com
या 9818180269 पर भी भेज सकते हैं।

'राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
समाचार गेट
को TITLE CODE : HARHIN11569
आवश्यकता है
- हरियाणा के प्रत्येक जिले में ब्यूरो चीफ
- उपमंडल व ब्लॉक स्तर पर संवाददाता
- ग्रामीण संवाददाता
- फोटोग्राफर
- विज्ञापन प्रतिनिधि

इच्छुक युवक-युवती अपना बायोडेटा मेल करें-
samachargate@gmail.com
Cont.: 9212339503

सेहत जगत

दिल और दिमाग को रखे फिट तरबूज के बीज

गर्मी का मौसम यानी तरबूज का मौसम। बेशक गर्मियों में आप भी खूब तरबूज खाते होंगे, लेकिन उनके बीजों का आप क्या करते हैं? जैसा कि कहा जाता है कि 'आम के आम और गुठलियों के भी दाम' उसी प्रकार तरबूज का सेवन तो हमारे स्वास्थ्य और सौंदर्य दोनों के लिए फायदेमंद होता है, साथ ही इसके बीज भी बहुत गुणकारी होते हैं।

तरबूज के बीज मोनोअनसैचुरेटेड और पॉलीअनसेचुरेटेड फैटी एसिड का एक अच्छा स्रोत हैं। ये एंटीऑक्सिडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी एजेंट के रूप में कार्य करते है तथा हृदय को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये स्ट्रोक और दिल के दौरे से बचाने में मदद करते हैं। इसमें मौजूद मैग्नीशियम की मात्रा रक्तचाप को नियंत्रित करने तथा आयरन शरीर के विभिन्न भागों में उचित ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद करता है।अगर आप तरबूज के बीजों को फेंक देते हैं, तो आपको जरूर जानना चाहिए, तरबूज के बीजों से होने वाले खास 7 फायदे-

- तरबूज के बीजों को छीलकर अंदर की गिरी खाने से शरीर में ताकत आती है। मस्तिष्क की कमजोर नसों को बल मिलता है, टखनों के पास की सूजन भी ठीक हो जाती है। ये दिमाग और दिल को भी स्वस्थ रखने में कारगर है।
- इसमें मौजूद डायट्री फाइबर पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने में मदद करते हैं और पाचन संबंधी समस्याओं को समाप्त करने में सहायक होते हैं। कब्जियत की समस्या में भी यह बेहद लाभकारी है।
- पीलिया (जॉन्डिस) जैसी समस्याएं होने पर तरबूज के बीजों का सेवन बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। इसके अलावा संक्रमण से बचाए रखने में भी मददगार है।
- इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो त्वचा के लिए फायदेमंद है। नसों के फैलने की समस्या में भी यह लाभकारी है और तनाव की अधिकता में इनका सेवन तनाव में कमी लाता है।
- तरबूज के बीजों से बनने वाली चाय का नियमित रूप से सेवन करने पर आप किडनी की समस्याओं से बचा जा सकता है। किडनी स्टोन या पथरी होने पर भी यह फायदेमंद है।
- तरबूज के बीजों को चबा-चबाकर चूसने से दांतों के पायरिया रोग में लाभ होता है।
- तरबूज के बीजों की गिरी में मिश्री, सौंफ, बारीक पीसकर मिलाकर खाने से गर्भ में पल रहे शिशु का विकास अच्छा होता है।
- तरबूज के बीज आपकी सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। यह आपके शरीर के अंगों को बेहतर बनाकर स्वास्थ्य रहने के लिए प्रेरित करते हैं। आप चाहें तो इन्हें किसी भी रूप में पकाकर खा सकते हैं, या फिर इसकी चाय भी पी सकते हैं।

गीली-सूखी मिट्टी की सौंधी सुगंध के अलावा कई अचूक फायदे हैं

अक्सर देखा जाता है कि जब कोई जानवर बीमार होता है तो रोग की दशा में पृथ्वी की शक्ति का वह खास तौर पर उपयोग करता है। घायल हुए जानवर तालाब या पोखर के कीचड़ में जा लेटते हैं और अपने आप को स्वस्थ बना लेते हैं।

गीली मिट्टी के लाभकारी प्रयोग

महीन पिसी हुई मिट्टी को पानी के साथ घोलकर कीचड़ जैसा बना लें एवं उसको शरीर पर लेपकर सुखा लीजिए, कुछ देर बाद मिट्टी सूखने लगती है। फिर ठंडे या गुनगुने पानी से स्नान कर लेने से अनेक रोग दूर हो जाते हैं।

मिट्टी चिकित्सा के अन्य प्रयोग

रोग होने पर आवश्यकतानुसार निम्नलिखित प्रयोगों से उपचार किया जाता है।
(1) मिट्टी की गरम पट्टी (2) मिट्टी की ठंडी पट्टी (3) गरम मिट्टी की पट्टी (4) रज स्नान (5) पंक स्नान (6) बालू भक्षण।

सूखी मिट्टी के लाभकारी प्रयोग

बिजली के मारे या सांप के काटे हुए व्यक्ति को यदि जमीन में करीब दो हाथ गहरा गड्ढा खोदकर उसमें बैठा दिया जाए और गीली मिट्टी से गर्दन और सिर खुला रखकर उसे भर दिया जाए तो 1 से 24 घंटे तक में रोगी के शरीर से जहर निकल जाएगा और वह मरने से बच जाएगा। शुद्ध साफ मिट्टी को कपड़ा छानकर लीजिए और उसे पूरे अंग पर रगड़िए। पूरे शरीर पर रगड़ने के बाद 10 से 20 मिनट धूप में बैठ जाइए। तत्पश्चात शीतल जल से स्नान कर लें। यह सूखी मिट्टी का स्नान है।

लाभ - त्वचा नरम, लचीली एवं कोमल हो जाती है। रोमकूप खुल जाते हैं। इससे शरीर के विजातीय तत्व पसीने के रूप में बाहर आने लगते हैं। त्वचा के छिद्र भरपूर श्वास लेने लायक हो जाते हैं जिससे त्वचा के अनेक रोग, चर्मरोग, दाद, खाज-खुजली, फोड़े-फुंसियां दूर होने लगती हैं। आयुर्विज्ञान में इसको रज स्नान कहा गया है।

छान्दोग्य उपनिषद् में मिट्टी को अन्य पंच तत्वों जल, पावक, गगन तथा समीर का सार कहा गया है। स्वास्थ्य सौन्दर्य और दीर्घायु का मिट्टी से प्रगाढ़ सबंध होता है। मिट्टी में अनेक रोगों के निवारण की अद्भुत क्षमता होती है। मिट्टी में अनेकों प्रकार के क्षार, विटामिन्स, खनिज, धातु, रासायन रत्न, रस आदि की उपस्थिति उसे औषधीय गुणों से परिपूर्ण बनाती है। औषधियां कहां से आती है? जबाब होगा पृथ्वी, मतलब सारे के सारे औषधियां के भंडार होता पृथ्वी। अत- जो तत्व औषधियों में है, उनके परमाणु पहले से ही मिट्टी में उपस्थित रहते हैं। मिट्टी कई प्रकार की होती है तथा इसके गुण भी अलग-अलग होते हैं। उपयोगिता के दृष्टिकोण सें पहला स्थान काली मिट्टी का है, उसके बाद पीली, सफेद और उसके बाद लाल मिट्टी का स्थान है। मिट्टी के विभिन्न प्रकारों और उनकी उपयोगिता को ध्यान में रखकर मिट्टी का चयन करना चाहिए। इसके उपयोग के पहले कुछ बातें जरूर ध्यान में रखें...

- मिट्टी चाहे किसी भी रंग या प्रकार की हो, उसका प्रयोग करते समय यह सुनिश्चित कर लें कि वह साफ-सुथरी हो, उसमें कंकड़, पत्थर, तिनके आदि न हों।
- जहां से मिट्टी लें वह स्थान भी साफ सुथरा होना चाहिए किसी कूड़े के ढेर के पास से मिट्टी न लें। यदि किसी खेत से मिट्टी ली जाए तो एक या डेढ़ फीट जगह खोदकर ही लेनी चाहिए।
- तालाब या नदी के तट की मिट्टी बहुत लाभदायक होती है। दो पकार की मिट्टियों को मिलाकर भी प्रयोग किया जा सकता है। बालू मिश्रित मिट्टी बहुत उपयोगी होती है।

विभिन्न किस्म की मिट्टी के प्रयोग

काली मिट्टी

यह मिट्टी चिकनी और काली होती है। इसके लेप से ठंडक पहुंचती है। साथ ही यह विष के प्रभाव को भी दूर करती है। यह सूजन मिटाकर तकलीफ खत्म कर देती है। जलन होने, घाव होने, विषैले फोड़े तथा चर्मरोग जैसे खाज में काली मिट्टी विशेष रूप से उपयोगी होती है। रक्त के गंदा होने और उसमें विषैले पदार्थों के जमाव को भी यह मिट्टी कम करती है। पेशाब रुकने पर यदि पेडू के ऊपर (पेट की नीचे) काली मिट्टी का लेप किया जाता है तो पेशाब की रुकावट समाप्त हो जाती है और वह खुलकर आता है। मधुमक्खी, कनखजूर, मकड़ी, बर्रे और बिच्छू के द्वारा डंक मारे जाने पर प्रभावित स्थान पर तुरंत काली मिट्टी का लेप लगाना चाहिए इससे तुरंत लाभ पहुंचता है।

पीली, सफेद व लाल मिट्टी

तालाबों तथा नदियों के किनारे पाई जाने वाली यह मिट्टी भी काली मिट्टी के समान ही लाभकारी होती है। सफेद मिट्टी से होने वाले लाभ भी पीली मिट्टी के समान ही हैं। लाल मिट्टी पहाड़ों पर मिलती है। इसके लाभ सफेद मिट्टी से कुछ कमतर होते हैं।

सज्जी मिट्टी

इस मिट्टी के प्रयोग से शरीर की पूरी तरह सफाई हो जाती है। यदि हड्डियां भंगुर और टूटती-सी प्रतीत होती हों तो इस मिट्टी के लेप से बहुत लाभ होता है। जोड़ों के दर्द में इस मिट्टी के लेप से विशेष लाभ पहुंचता है।

गेरू मिट्टी

लाल रंग की इस मिट्टी का प्रयोग मिट्टी खाने वाले बच्चों को मिट्टी के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए किया जाता है। गेरू को घी में तलकर शहद मिलाकर देने से बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार आता है। जिनका स्वास्थ्य मिट्टी खाने की आदत के कारण बिगड़ गया है।

गोपी चन्दन

सफेद रंग की मिट्टी का लेप मस्तक पर लगाने से दिमाग की गरमी दूर होती है। सिर चकराने तथा सिर दर्द जैसी समस्याओं का निवारण भी इससे हो जाता है। मुंह में छाले होने की स्थिति में, पहले इस का लेप लगाना चाहिए तथा आधे घंटे बाद सादे पानी से कुल्ले कर लेने चाहिएं, छाले दूर हो जाएंगे।

मुल्तानी मिट्टी

गर्मियों में होने वाली घमौरियों के उपचार में मुल्तानी मिट्टी अचूक औषधि है। शरीर पर इसका पतला-पतला लेप खून की गर्मी को कम करता है। उबटन की तरह मुल्तानी मिट्टी का पयोग सुख और शरीर की कान्ति बढ़ाता है। तेज बुखार में तापमान तुरंत नीचे लाने के लिये सारे शरीर पर इसका मोटा-मोटा लेप करना चाहिए। सौंदर्य के लिए इसका विष प्रयोग होता है।

बालू

नदी या समुद किनारे की बालू शरीर की जलन, ताप तथा दाह को शांत करती है। सिर तथा मुंह को छोड़कर, सारे शरीर पर बालू चढ़ाकर घंटे भर पड़ा रहना, घबराहट, शारीरिक ताप, जलन और दाह को दूर करने का सबसे अच्छा उपाय है। आधी चिकनी मिट्टी और आधी बालू मिलाकर बनाए गए लेप की पट्टी बहुत लाभदायक होती है।

ब्रेकफास्ट में खाएं कच्चा पनीर, पिघलेगी चर्बी

आमतौर पर हम सभी जानते हैं कि हेल्दी ब्रेकफास्ट दिन की शुरूआत करने का सबसे अच्छा तरीका है। ब्रेकफास्ट का साफ मतलब है फास्ट को ब्रेक करना। दरअसल, जब हम रात में सोते हैं, तो हमारी बॉडी 8 से 10 घंटे के फास्ट पर रहती है। इसलिए सुबह उठने के बाद शरीर को पोषण की जरूरत होती है। नाश्ते में कई तरह के पोषक तत्वों से भरपूर आहार लेने से मेटाबोलिज्म बढ़ता है। सिर्फ यही नहीं वजन भी कंट्रोल होता है और हड्डियां मजबूत होती हैं। हेल्दी ब्रेकफास्ट करने से जल्दी भूख नहीं लगती है। इसके लिए पनीर को एक बढ़िया ऑप्शन माना जाता है।

पनीर में भरपूर मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है। नाश्ते में इसका सेवन करने से लंबे समय तक पेट भरा रहता है। इसके अलावा यह धीरे-धीरे पचता है। साथ ही GLP-1, PYY और CCK हार्मोन को बढ़ाता है। प्रोटीन के अलावा पनीर में फैट, आयरन, कैल्शियम और मैग्नीशियम पाया जाता है। यह सेहत के लिए फायदेमंद है।

पूरे दिन रखे एक्टिव

पनीर कई तरह के पोषक तत्वों से भरपूर होता है। यह वजन को कंट्रोल करता है और पूरे दिन हमें एक्टिव रखता है। रोजाना ब्रेकफास्ट में 150 से 200 ग्राम पनीर का सेवन करने से सेहत अच्छी रहती है। दिन की शुरूआत करने के लिए पनीर हेल्दी ऑप्शन है।

कम कार्बोहाइड्रेट

गाय के दूध के 100 ग्राम पनीर में 12 ग्राम कार्बोहाइड्रेट पाया जाता है। यह वजन घटाने वालों के लिए फायदेमंद है। पनीर का सेवन करने से बॉडी फैट नहीं बढ़ता है। 28 ग्राम पनीर में लगभग 825 कैलोरी पाई जाती है।

कैल्शियम से भरपूर

दांतों और हड्डियों को मजबूत रखने के लिए हमारे शरीर को पर्याप्त कैल्शियम की आवश्यकता होती है। पनीर में भरपूर मात्रा में कैल्शियम पाया जाता है। यह हड्डियों को स्वस्थ रखने में मदद करता है।

वजन घटाने में फायदेमंद

मोटापा कम करने के लिए अधिक मात्रा में प्रोटीन का सेवन करना चाहिए। इससे लंबे समय तक भूख नहीं लगती और बार-बार खाने की इच्छा नहीं होती है। शाकाहारी लोगों के लिए पनीर एक बेहतर विकल्प है।

रोगों को करे दूर

डायबिटीज से पीड़ित लोगों के लिए पनीर फायदेमंद है। इसमें ओमेगा 3 अधिक मात्रा में पाया जाता है जो बच्चों के मानसिक विकास के लिए अच्छा है। इसके अलावा यह हृदय रोगियों के लिए भी फायदेमंद है। पनीर ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित रखने में मदद करता है। इसलिए वजन घटाने और हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए रोजाना नाश्ते में पनीर का सेवन करना चाहिए। इससे शरीर को पर्याप्त कैल्शियम मिलता है।

कैंसर से बचाता है मूली का सेवन

कैंसर से बचाव में मूली खासी मददगार साबित हो सकती है। द वर्ल्ड कैंसर रिसर्च फंड (डब्ल्यूसीआरएफ) और अमेरिकन इंस्टीट्यूट फॉर कैंसर रिसर्च के हालिया अध्ययन में यह दावा किया गया है। दरअसल, शोधकर्ताओं ने मूली में भारी मात्रा में 'ग्लूकोसाइनोलेट' और 'आइसोथायोसाइनेट' की मौजूदगी दर्ज की है। ये दोनों ही यौगिक न सिर्फ कैंसर कोशिकाओं के विकास में बाधा डालते हैं, बल्कि उनके खात्मे की प्रक्रिया को भी गति प्रदान करते हैं। मूली 'सिनिग्रिन' नाम के एक एंटीऑक्सीडेंट से भी लैस होती है। यह एंटीऑक्सीडेंट फ्री-रैडिकल के उत्पादन पर लगाम लगाने में अहम भूमिका निभाता है। मुख्य शोधकर्ता एडम चैपमैन के मुताबिक फ्री-रैडिकल स्वस्थ कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं। ये कोशिकाओं में अनियंत्रित विभाजन का भी सबब बनते हैं, जिससे ट्यूमर पनपने का खतरा बढ़ जाता है। अध्ययन में 500 प्रतिभागी शामिल हुए। आधों की रोजमर्रा की डाइट में मूली शामिल की गई। वहीं, बाकियों को सामान्य खानपान जारी रखने की छूट की गई। चार महीने बाद नियमित रूप से मूली का सेवन करने वाले प्रतिभागियों में फ्री-रैडिकल के उत्पादन में भारी कमी देखी गई। इससे उनके आंत, फेफड़े और पेट के कैंसर का शिकार होने का जोखिम भी काफी हट तक घट गया।

बहुत फायदे हैं जैतून के तेल के

जैतून का तेल शरीर के लिए बेहद फायदेमंद होता है। जी हां, अन्य तेल के मुकाबले यह बहुत अधिक फायदे का सौदा है। शरीर पर नियमित रूप से इसका सेवन करने से शरीर को बाहरी ओर से भी कई लाभ मिलते हैं। जैतून के तेल में विटामिन ई, विटामिन के, ओमेगा-3 फैटी एसिड, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट सहित कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं। इस तेल को शरीर पर भी लगाया जाता है और सेवन भी किया जाता है। इसके सेवन से कैंसर जैसी बीमारी में आराम मिलता है। डायबिटीज मरीजों के लिए भी यह फायदेमंद है।

याददाशत बढ़ाएं

जैतून के तेल में पॉलीफेनोल तत्व मौजूद होता है। जिसके सेवन से याददाशत संबंधित परेशानी में आराम मिलता है।

कैंसर में राहत

कैंसर एक जीवन घातक बीमारी है। खाने में इसका सेवन करने से कैंसर संबंधित बीमारी को कम किया जा सकता है। इसमें विटामिन डी, विटामिन ई, विटामिन ए और बी-कैरोटीन मुख्य रूप से पाया जाता है।

त्वचा को बनाएं चमकदार

बेजान स्किन को चमकदार बनाने के लिए जैतून के तेल से रोजाना अच्छे से मालिश करें। एक सप्ताह बाद ही आपकी ड्राई स्किन से आपको निजात मिल जाएगी।

दर्द में राहत

हड्डियों में लगातार दर्द होने पर आप जैतून के तेल से भी मालिश कर सकते हैं। इसमें मौजूद तत्व से आपको आराम मिलेगा। ऑस्टियोपोरोसिस में राहत मिलेगी।

बालों को बनाएं मजबूत

जैतून के तेल में विटामिन ई मौजूद होता है। जो बालों के लिए सबसे जरूर तत्व है। इससे बाल मजबूत रहते हैं। जैतून का तेल बालों में कंडीशनर का काम करता है। आप तेल लगाकर गर्म पानी की भाप ले सकते हैं। जिससे बाल शाइनी और मजबूत होंगे।

आइसक्रीम खाने से कम होता है तनाव और मोटापा

मौसम कोई भी आइसक्रीम खाने तो मजा ही कुछ और है। आइसक्रीम कई प्रकार के फ्लेवर में आती है जिसका टेस्ट बहुत यम्मी-यम्मी स्वाद होता है और आइसक्रीम का नाम सुनते ही बच्चों से लेकर बडों तक के मुंह में पानी आ जाता है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि आइसक्रीम हमारी सेहत के लिए बहुत लाभकारी है। आइसक्रीम में विटामिन, कैल्शियम व प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है। एक रिसर्च के अनुसार सुबह-सुबह नाश्ते में आइसक्रीम खाना दिमाग के लिए काफी अच्छा माना जाता है। इससे मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहता है। ये अध्ययन क्योंरीन यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर कोगा के सहयोग से की गई। जिसमें कहा गया है कि सुबह उठकर आइसक्रीम खाने से मानसिक तौर पर तनाव कम देखा गया। रिसर्च में एक ऐसे व्यक्ति के दिमाग की सक्रियता की तुलना की जिसे तुरंत सुबह उठने के बाद आइसक्रीम दी गई। इसके अलावा एक ऐसे व्यक्ति के ब्रेन की गतिविधियों को भी देखा गया जिसे सुबह नाश्ते में आइसक्रीम नहीं दी गई। अध्ययन में पता चला कि जिस व्यक्ति को सुबह आइस्क्रीम दी गई थी उसकी सक्रियता बेहतर थी। प्रोटीन-मिल्क के अन्य उत्पादों की तरह आइसक्रीम प्रोटीन का अच्छा स्त्रोत है। प्रोटीन से बॉडी के हर पाटर्समांसपेशियां, त्वचा, हड्डियों, ब्लड के लिए लाभ होता है। प्रोटीन खाने से ऊतक और मांसपेशियां स्ट्रॉन्ग होती है। विटामिन स्त्रोत-आइसक्रीम में विटामिन ए, बी-2 और बी-12 खूब पाये जाते हैं। विटामिन ए, स्किन, बॉन्स, रोगप्रतिरोधक क्षमता के लिए बेस्ट होता है। विटामिन ए आंखों की रोशनी बढाता है। विटामिन ए से मजबूत हडिड्यां, स्वस्थ त्वचा, स्वस्थ दांत, व आंखें, बाल की देखभाल विकास के लिए बहुत ही आवश्यक है इसकी एक संतुलित मात्रा शरीर में जानी चाहिए, क्योंकि यह शरीर में एकत्र होता रहता है यदि हमारे शरीर में विटामिन ए की अधिक मात्रा ऊतकों को आक्सीराइज्ड करती है तथा अधिक उम्र कारण बनती है व्यक्ति अपनी उम्र से अधिक दिखने लगता है। आइसक्रीम खाने से शरीर में कैल्शियम की मांग पूरी हो जाती है परन्तु कैल्शियम की शरीर में पूर्ति के लिए दूध के अलावा दूध से बने पदार्थ मक्खन, आइसक्रीम पनीर, दही आदि का सेवन करना चाहिए। कैल्शियम केवल हड्डियों के लिए नहीं होता है बल्कि यह मोटापा भी घटाता है।

इस साल एफएमसीजी कंप नियों को राहत दे सकता है अच्छा मानसून

ग्रामीण-शहरी दोनों क्षेत्रों में बढ़ेगी मांग

नई दिल्ली।

देश के मौसम विभाग ने इस साल मॉनसून के दौरान भारी वर्षा के आगंतुकीय संकेत दिए हैं, जो कंपनियों को राहत दे सकते हैं। एफएमसीजी से लेकर सरकार तक ने अपनी नीतियों में सुधार कर मांग के निश्चित सुधार की बात की है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में वाणिज्यिक गतिविधियों की बढ़ती मांग का अनुमान लगातार बढ़ रहा है। इस पूरे मौसम धारा के बारे में जानकरी के साथ, उपभोक्ता और कंपनियों में आर्थिक उतार-चढ़ाव की उम्मीदें उचित हैं। खुशखबरी के साथ मांग की वृद्धि की उम्मोदें हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए आगे कुछ अच्छे समय आने वाले हैं। पभोक्ता कंपनियों का कहना है कि देश में लगातार चौथे साल मॉनसून में पर्याप्त वर्षा का अनुमान लगाया गया है। इन कंपनियों ने कहा कि देश के ग्रामीण क्षेत्रों में देश की 65 फीसदी आबादी रहती है। कंपनियों के अनुसार खरीफ फसलें अच्छी रहने से लोगों की आय बढ़ेगी जिसका फायदा उन्हें भी मिलेगा। सरकार ने चालू वित्त वर्ष में सालाना 12 लाख रुपये तक की आय पर कोई कर न लगाने की भी घोषणा की है। साथ ही देश में सामान्य से अधिक बारिश के अनुमान से उपभोग को और अधिक ताकत मिल सकती है। सामान्य से अधिक बारिश होने पर ग्रामीण क्षेत्र में मांग को दम मिलेगा। इन क्षेत्रों में पिछले कुछ

महीनों से मांग में पहले से ही सुधार देखा जा रहा है। अब मॉनसून अच्छा रहने से मांग को और बढ़ावा मिलेगा। उपज बढ़ने से मुद्रास्फीति में और कमी आ सकती है। अन्य उपभोक्ता कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी यही राय जाहिर की। उन्होंने कहा कि अच्छे मॉनसून के कारण ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों से मांग बढ़ेगी। एनआईक्यू के ताजा आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर से दिसंबर तिमाही (वित्त वर्ष 2025) में शहरी एवं ग्रामीण मांग में वृद्धि देखी गई है। भारत के ज्यादातर क्षेत्रों में ग्रामीण क्षेत्रों का प्रदर्शन शहरी क्षेत्रों से लगातार बढ़िया रहा है। मैरिको, डाबर इंडिया और एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस ने अपने तिमाही पूर्व अनुमान में कहा है कि जनवरी से मार्च (वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही) तिमाही में शहरी क्षेत्रों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में मांग की स्थिति अच्छी रही है।

सात शहरों में लग्जरी हाउसिंग सेगमेंट की मांग बढी

नई दिल्ली।

देश के सात शहरों में लग्जरी हाउसिंग सेगमेंट की मांग में तेजी से इजाफा हुआ है। एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2025 की पहली तिमाही यानी जनवरी से मार्च के बीच 4 करोड़ रुपये से अधिक कीमत वाले लग्जरी घरों की बिक्री में सालाना आधार पर 28 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस दौरान कुल 1,930 लग्जरी यूनिट्स की बिक्री हुई। दिल्ली-एनसीआर इस सेगमेंट में सबसे आगे रहा, जहां 950 यूनिट्स बिके। इसके बाद मुंबई का स्थान रहा, जिसकी कुल बिक्री में हिस्सेदारी करीब 23 प्रतिशत रही। दक्षिण भारत में बेंगलुरु में लग्जरी सेगमेंट में सबसे अधिक उछाल देखने को मिला। यहां इस साल की पहली तिमाही में 190 यूनिट्स बिके, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह आंकड़ा सिर्फ 20 था। कोलकाता और चेन्नई की इस सेगमेंट में संयुक्त हिस्सेदारी करीब 5 प्रतिशत रही। रिपोर्ट में बताया गया कि हाई-एंड सेगमेंट की कुल बिक्री में हिस्सेदारी 27 प्रतिशत और मिड-एंड सेगमेंट की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत रही। आरबीआई द्वारा रेपो रेट में कटौती से होम लोन की किस्तें कम हो सकती हैं, जिससे किराये और ईएमआई में अंतर घटेगा और ग्राहक खरीदारी को प्राथमिकता देंगे। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि 2023-24 में बड़े स्तर पर भूमि अधिग्रहण हुआ है, जिससे इस वर्ष नए प्रोजेक्ट्स की लॉन्चिंग अधिक रहने की संभावना है। सीबीआरई के चेयरमैन और सीईओ अंशुमन मैगजीन ने कहा कि बढ़ती आय, जीवनशैली में बदलाव और आधुनिक सुविधाओं से लैस घरों की चाहत इस मांग को बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि इन्फ्रास्ट्रक्चर में सुधार और बेहतर फंडिंग विकल्पों के चलते आवासीय मांग स्थिर रहने की उम्मीद है।

मेटा के सीईओ जुकरबर्ग को बेचनी पड़ सकता है वॉट्सऐप और इंस्टाग्राम

अमेरिका में फेडरल ट्रेड कमीशन ने ठोका कंपनी पर एंटीट्रस्ट का मुकदमा

नई दिल्ली।

सोशल मीडिया कंपनी मेटा और उसके सीईओ मार्क जुकरबर्ग की परेशानी बढ़ गई क्योंकि उनके सामने कानूनी संकट पैदा हो गया है। अमेरिका में फेडरल ट्रेड कमीशन (एफटीसी) ने मेटा के खिलाफ एंटीट्रस्ट का मुकदमा ठोक दिया है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि कंपनी ने अपनी प्रतिद्वंद्विता को खत्म करने के लिए इंस्टाग्राम और वॉट्सऐप का अधिग्रहण किया था। एफटीसी का कहना है कि मेटा ने बाजार में एकाधिकार कायम करने की रणनीति के तहत इंस्टाग्राम और वॉट्सऐप को खरीदा था। एफटीसी की ओर से यह अब तक की सबसे सख्त कार्रवाई है। रिपोर्ट के मुताबिक 2012 में मेटा ने इंस्टाग्राम को 1 अरब डॉलर में और 2014 में वॉट्सऐप को 22 अरब डॉलर में खरीदा था। एफटीसी का कहना है कि यह अधिग्रहण नवाचार को दबाने और प्रतिस्पर्धा को खत्म करने के इरादे से किया गया था। आयोग ने एक आंतरिक ईमेल का हवाला भी दिया है, जिसमें खुद जुकरबर्ग ने लिखा था- प्रतिस्पर्धा करने से बेहतर है खरीद लेना, जो नियामक के मुताबिक मेटा की मंशा को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।मामले की सुनवाई कर रहे जज यह तय करेंगे कि क्या मेटा वास्तव में अमेरिकी सोशल नेटवर्किंग बाजार में एकाधिकार रखता है। एफटीसी ने यूट्यूब और टिकटॉक को सोशल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म की श्रेणी में नहीं रखा है, क्योंकि वे मुख्य रूप से वीडियो क्रिएटर्स पर केंद्रित हैं। एफटीसी का दावा है कि 2012 से 2020 तक फेसबुक ने इस क्षेत्र में उपयोगकर्ताओं के समय का 80 फीसदी से ज्यादा हिस्सा कब्जे में रखा। मेटा ने एफटीसी के आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि बाजार में टिकटॉक और यूट्यूब जैसे मजबूत प्रतिस्पर्धी मौजूद हैं और एफटीसी यह साबित नहीं कर पाया कि मेटा की गतिविधियों से उपभोक्ताओं या विज्ञापनदाताओं को कोई नुकसान हुआ है। अगर कोर्ट मेटा के खिलाफ फैसला सुनाती है, तो इंस्टाग्राम और वॉट्सऐप को अलग किया जा सकता है और एक ट्रस्टी नियुक्त किया जाएगा, जो इस प्रक्रिया की निगरानी करेगा। हालांकि, कानूनी लड़ाई खत्म होने में कई साल लग सकते हैं। अगर इंस्टाग्राम मेटा से अलग होता है, तो कंपनी को बड़ा झटका लगेगा, क्योंकि इंस्टाग्राम अकेले अमेरिका में मेटा की कुल विज्ञापन आय का करीब 50 फीसदी योगदान देता है।

एसयूवी कर्व के इलेक्ट्रिक वर्जन का डार्क एडिशन लॉन्च

नई दिल्ली।

स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स ने अपनी कूप-एसयूवी कर्व के इलेक्ट्रिक वर्जन का डार्क एडिशन लॉन्च किया है।डार्क एडिशन की बुकिंग अब शुरू हो गई है। टाटा कर्व ईवी डार्क एडिशन केवल एक वेरिएंट - एम्पावर्ड+ एडीएएस 55केडल्यूएच में उपलब्ध है, जो टॉप-स्पेक वेरिएंट में मिलेगा। कर्व ईवी डार्क एडिशन में बाहरी और आंतरिक डिज़ाइन में कई आकर्षक बदलाव किए गए हैं। इसका कार्बन ब्लैक एक्सटीरियर, डार्क अलॉय व्हील्स, ग्लॉस पियानो ब्लैक रियर स्पॉइलर और वेलकम लाइट के साथ फ्लश डोर हैंडल गाड़ी को प्रीमियम और मस्कुलर लुक देते हैं। इंटीरियर्स में भी डार्क थीम दी गई है, जिसमें लेदरेट सीटें, मूड लाइटिंग और वॉयस असिस्टेड पैनोरमिक सनरूफ शामिल हैं। कनेक्टिविटी के मामले में कर्व ईवी डार्क एडिशन में 12.3 इंच की सिनेमैटिक स्क्रीन, जेबीएल ऑडियो सिस्टम, लेवल-2 अडास और 10.25 इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर जैसे हाई-टेक फीचर्स दिए गए हैं। इसमें वी2एल टेक्नोलॉजी भी है, जो रिवर्स चार्जिंग की सुविधा देती है। इसमें 55केडल्यूएच का एलएफपी बैटरी पैक है, जो 164.72 बीएचपी की पावर और 215 एनएम टॉर्क पैदा करता है। यह गाड़ी 502 किमी की रेंज और 8.6 सेकंड में 0 से 100

किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है। 7.2केडल्यू एसी चार्जर और 70केडल्यू डीसी फास्ट चार्जिंग सपोर्ट भी उपलब्ध है, जिससे बैटरी जल्दी चार्ज हो जाती है। इस मॉडल को 21,000 रुपये के टोकन अमाउंट पर बुक किया जा सकता है और इसकी एक्स-शोरूम कीमत 22.24 लाख रुपये रखी गई है।

नया स्मार्टफोन मोटोरोला एग्ज 60 स्टायलस लॉन्च

नई दिल्ली।

भारत में मोटोरोला ने नया स्मार्टफोन मोटोरोला एग्ज 60 स्टायलस लॉन्च किया है। फोन में 6.7 इंच का पीओ एलईडी डिस्प्ले है, जो 120एचझेड रिफ्रेश रेट और 3000 निट्स ब्राइटनेस के साथ आता है। यह स्टायलस सपोर्ट वाला सेगमेंट का पहला स्मार्टफोन है, जिसमें एआई स्केच-टू-इमेज फीचर भी मिलता है। इस फीचर की मदद से यूजर्स डिस्प्ले पर स्केच बनाकर उसे इमेज या पेंटिंग में बदल सकते हैं। मोटोरोला एग्ज 60 स्टालस स्नैपड्रैगन 7एस जेन 3 प्रोसेसर पर चलता है और इसमें 8जीबी रैम के साथ 256जीबी इंटरनल स्टोरेज मिलती है। स्टोरेज को 1टीबी तक माइक्रो एसडी कार्ड से बढ़ाया जा सकता है। फोन एंड्राएड 15 बेस्ड माय यूएक्स पर काम करता है और दो एंड्रॉयड अपडेट व तीन साल के सिक्योरिटी अपडेट का वादा कंपनी ने किया है। कैमरे की बात करें तो इसमें ओआईएस सपोर्ट के साथ 50एमपी का सोनी एलवायटी-700सी मेन कैमरा और 13एमपी अल्ट्रा-वाइड कैमरा है। फ्रंट में 13एमपी का सेल्फी कैमरा दिया गया है। इसमें इन-डिस्प्ले फिंगरप्रिंट सेंसर, ड्यूल सिम (नैनो प्लस ईसिम), डोल्बी एटमॉस स्पीकर और एनएफसी जैसे फीचर्स मिलते हैं। इसका एकमात्र 8 जीबी+256जीबी वेरिएंट रुपए 22,999 में उपलब्ध होगा, लेकिन बैंक ऑफर के तहत इसे रुपए 21,999 में खरीदा जा सकेगा। पहली सेल 23 अप्रैल दोपहर 12 बजे से फ्लिपकार्ट, मोटोरोला की वेबसाइट और ऑफलाइन स्टोर्स पर शुरू होगी। फोन दो रंगों - पेंटोन ग्रिब्राल्टर सी और सर्फ द वेब में मिलेगा। बैटरी की बात करें तो फोन में 5000 एमएएच

बैटरी है, जो 68 वॉट फास्ट वायर्ड और 15 वॉट वायरलेस चार्जिंग को सपोर्ट करती है। फोन आईपी68 वॉटरप्रूफ रेटिंग और एमआईएल-एसटीडी-810एच मिलिट्री-ग्रेड ड्यूरेबिलिटी के साथ आता है, जिससे यह पानी और धूल से सुरक्षित रहता है।

आरबीआई ने अहमदाबाद के कलर मर्चेंट्स को-ऑपरेटिव बैंक का लाइसेंस रद्द किया

मुंबई।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने गुजरात के शहर अहमदाबाद स्थित कलर मर्चेंट्स को-ऑपरेटिव बैंक का लाइसेंस रद्द कर दिया है। आरबीआई ने जारी किए गए बयान में यह निर्धारित किया कि बैंक के पास पर्याप्त पूंजी और कमाई की संभावनाएं नहीं हैं। आरबीआई ने बीमा और ऋण गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) की मौद्रिक सीमा बढ़ाकर जमाकर्ताओं की सुरक्षा में सुधार करने का प्रस्ताव भी किया है। अब जमाकर्ताओं को केवल 5 लाख रुपये तक की जमा राशि पर डीआईसीजीसी द्वारा बीमा की गारंटी प्राप्त होगी। कलर मर्चेंट्स को-ऑपरेटिव बैंक के सहकारी समितियों के पंजीयक के खिलाफ भी एक परिसमापक की मांग की गई है। आरबीआई ने बैंक के असमर्थन के कारण उसके लाइसेंस को रद्द किया है और बैंक को बंद करने के लिए परामर्श दिया है। इस घटना से उठने वाले विवाद के बीच आरबीआई ने सामान्य सार्वजनिक को सुनिश्चित किया है कि इस प्रकार की कार्रवाई का निर्णय केवल बैंक और उसके ग्राहकों के हितों के लिए हो गया है।

हीरो मोटोकॉर्प ने चार संयंत्रों में उत्पादन रोका

नई दिल्ली। हीरो मोटोकॉर्प ने अल्पकालिक आपूर्ति संरेखण के लिए 17 अप्रैल से 19 अप्रैल तक अपने चार संयंत्रों में उत्पादन रोक दिया है। कंपनी इस अवधि में सुविधाओं में रखरखाव गतिविधियों को भी अंजाम देगी। देश की सबसे बड़ी दोपहिया वाहन विनिर्माता कंपनी ने बयान में कहा कि हम आपको सूचित करना चाहते हैं कि हमारे चार विनिर्माण संयंत्रों धारूहेड़ा, गुरुग्राम, हरिद्वार और नीमराणा में उत्पादन 17 से 19 अप्रैल 2025 तक अस्थायी रूप से रोक दिया जाएगा, क्योंकि हम अल्पकालिक आपूर्ति संरेखण पर काम कर रहे हैं। इस दौरान हमारे तिरुपति और हलोल संयंत्र चालू रहेंगे। इसमें कहा गया कि इस दौरान परिचालन को और मजबूत करने के लिए रखरखाव और सुविधा संवर्द्धन की दिशा में काम किया जाएगा।

यश बैंक को 244 करोड़ की इनकम टैक्स डिमांड का नोटिस

बैंक ने कहा वह इस टैक्स डिमांड को चुनौती देगा और इसके खिलाफ अपील करेगा

मुंबई।

यश बैंक को इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से 244.20 करोड़ रुपए का अतिरिक्त टैक्स डिमांड का नोटिस मिला है। यह डिमांड 2016-17 के लिए किए गए असेसमेंट और पुनर्मूल्यांकन के बाद आई है। बैंक ने कहा है कि वह इस टैक्स डिमांड को चुनौती देगा और इसके खिलाफ अपील करेगा। बैंक को दिसंबर 2018 में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से 2016-17 के लिए एक टैक्स असेसमेंट ऑर्डर मिला था, जिसमें कुछ जोड़-घटाव किए गए थे। इसके बाद मार्च 2022 में पुनः मूल्यांकन आदेश आया, जिसमें कुछ और बदलाव किए गए थे। बैंक ने दोनों आदेशों के खिलाफ अपील की है और अब पुनः मूल्यांकन के बाद एक नई टैक्स डिमांड आई है। बैंक ने बताया कि पुनः मूल्यांकन आदेश में गलती हुई थी, क्योंकि इसमें आयकर रिटर्न में बताई गई आय के बजाय असेस्ड आय का उपयोग किया गया था। इस गलती को सुधारने के लिए 15 अप्रैल 2025 को एक रे क्टि फिकेशन आर्डर पास किया गया। हालांकि, इस आदेश के बाद टैक्स की मांग में काफी वृद्धि हो गई, और बैंक ने इसे बिना किसी ठोस कारण के बताया है। बैंक ने कहा कि वह इस अतिरिक्त टैक्स डिमांड के खिलाफ तुरंत रे क्टि फिकेशन आवेदन दाखिल करेगा और अगर जरूरत पड़ी, तो अपीलीय न्यायाधिकरण में भी अपील करेगा।। है। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए वृद्धि दर 6.3 प्रतिशत पर बरकरार रखी है। फिच के अनुमानों के अनुसार अमेरिका की जीडीपी वृद्धि दर 2025 तक 1.2 प्रतिशत पर सकारात्मक रहने की उम्मीद है। चीन की वृद्धि दर इस वर्ष और अगले वर्ष चार प्रतिशत से नीचे रहने का अनुमान है, जबकि यूरोक्षेत्र में वृद्धि एक प्रतिशत से काफी नीचे बनी रहेगी।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद, सेंसेक्स 1508 अंक ऊपर आया

निफ्टी में भी 414 अंकों की बढ़त

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आया है। आज सुबह बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई पर दूसरे सत्र में इसमें तेजी आने लगी जो अंत तक बनी रही। इसी के साथ ही दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 1508.91 अंक करीब 1.96 फीसदी बढ़कर 78,553.20 पर बंद हुआ। इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का का निफ्टी भी अंत में 414.45 अंक करीब 1.77फीसदी की बढ़त के साथ ही 23,851.65 पर बंद हुआ।

बाजार जानकारों के अनुसार इसमें तेजी का कारण पिछले दो कारोबारी सत्र में विदेशी संस्थागत निवेशकों की जबरदस्त खरीदी भी रही है। पिछले दो दिनों में ही उन्होंने ₹10,000 करोड़ के शेयर खरीदे हैं। जिससे भी बाजार को बल मिला।

वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो अमेरिका के शेयर बाजारों में भारी गिरावट दर्ज की गई, जिसका प्रभाव एशियाई बाजारों और भारत पर भी देखने में आया। तकनीकी शेयरों में बिकवाली से अमेरिका में एनविडिया के शेयरों में गिरावट रही। वहीं अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल ने व्यापार टैरिफ को लेकर चिंता जताई है और कहा है कि मुद्रास्फीति पर काबू पाने के साथ-साथ आर्थिक वृद्धि को बनाए रखना कठिन हो सकता है।

अमेरिकी शेयर बाजारों में भारी गिरावट दर्ज की गई। डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 1.73 फीसदी नीचे आकर 39,669.39 पर बंद हुआ। वहीं, एसएंडपी 500 में 2.24 फीसदी की गिरावट आई और यह 5,275.70 पर बंद हुआ। टेक-हेवी नैस्डैक कंपोजिट 3.07फीसदी नीचे आकर 16,307.16 पर पहुंच गया।

सुबह फ्यूचर्स शेयरों में हल्की तेजी रही। डाउ जोन्स फ्यूचर्स में 0.40 फीसदी, एसएंडपी 500 फ्यूचर्स में 0.47फीसदी और नैस्डैक 100 फ्यूचर्स में 0.56फीसदी की तेजी रही।

एशियाई बाजारों की बात करें तो इसमें मिला-जुला कारोबार हुआहै। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.7 फीसदी ऊपर आया, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.45फीसदी बढ़ा। वहीं ऑस्ट्रेलिया के एसएंडपी/एएसएक्स 200 इंडेक्स में 0.28 फी तेजी रही। हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स 0.42 फीसदी बढ़ा जबकि चीन का सीएसआई 300 इंडेक्स 0.19 फीसदी गिरा।

वहीं गत दिवस भी बाजार बढ़त पर बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह टैरिफ संबंधी चिंताओं के बीच अमेरिकी शेयर बाजार में कमजोर रुख के चलते भारतीय बाजार की भी गिरावट के साथ शुरुआत हुई। सुबह सेंसेक्स 314.11 अंक की गिरावट लेकर 76,730.18 पर था।

इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी गिरावट लेकर 23,401.85 पर खुला।

जेनसोल इंजीनियरिंग के स्वतंत्र निदेशक मेनन ने पद छोड़ा

नई दिल्ली। कोष के दुरुपयोग और संचालन में चूक होने की वजह से बाजार नियामक सेबी की जांच के दायरे में आई 2 संकटग्रस्त कंपनी जेनसोल इंजीनियरिंग से उसके स्वतंत्र निदेशक अरुण मेनन ने तत्काल प्रभाव से इस्तीफा देने की जानकारी दी है। कंपनी के प्रवर्तकों में से एक अनमोल सिंह जग्गी को भेजे इस्तीफे में मेनन ने लिखा कि अन्य व्यवसायों के पूंजीगत व्यय को वित्तपोषित करने के लिए जीईएल के बहीखाते तथा जीईएल द्वारा इतनी ऊंची ऋण लागत पर स्थिरता बनाए रखने को लेकर चिंता बढ़ रही है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के धन की हेराफेरी और कामकाज संबंधी खामियों के कारण जेनसोल इंजीनियरिंग और उसके प्रवर्तकों अनमोल सिंह जग्गी तथा पुनीत सिंह जग्गी को अगले आदेश तक प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित करने की पृष्ठभूमि में मेनन ने इस्तीफा दिया है।

भारतीय झींगा निर्यातकों ने अमेरिकी झींगा पर डंपिंग का विरोध किया

नई दिल्ली। भारतीय झींगा निर्यातकों ने अमेरिका के झींगा पर डंपिंग रोधी और प्रतिपूरक शुल्कों की समीक्षा के खिलाफ विरोध जताया है। अगले महीने समीक्षा की आशंका जताते हुए, निर्यातकों ने सरकार से हस्तक्षेप की मांग की है। इन शुल्कों की गणना करने का अमेरिका का फार्मूला गलत बताया गया है। कोलकाता स्थित समुद्री खाद्य निर्यातक एवं मेगा मोडा के प्रबंध निदेशक ने कहा कि यह शुल्कों की गणना में अंतरिक्ष है और इससे भारतीय व्यापारिक मामलों पर बुरा असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका का जीरोइंग पद्धति गलत है और भारत के साथ उचित व्यापारिक समझौते की आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा कि कठिन प्रतिस्पर्धा के बीच भारत को संरक्षण देने की जरूरत है ताकि वह अमेरिका में इक्वाडोर और वियतनाम से आने वाली प्रतिस्पर्धा का सामना कर सके।

रेटिंग एजेंसी मूडी ने भारत का ग्रोथ अनुमान घटाया

फरवरी में 6.6 फीसदी वृद्धि का अनुमान लगाया था

मुंबई।

मूडीज रेटिंग्स ने अमेरिका के नए सिलसिलेवार शुल्कों को देखते हुए वित्तीय वर्ष 2025 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि का अनुमान बुधवार को घटाकर 5.5 से 6.5 फीसदी कर दिया जबकि उसने फरवरी में 6.6 फीसदी वृद्धि का अनुमान लगाया था। रेटिंग एजेंसी ने अपनी शुल्क और व्यापार अशांति पर अपनी रिपोर्ट में कहा कि ट्रंप शुल्क से वैश्विक व्यापार गतिविधियों पर असर पड़ेगा। इन शुल्कों से क्षेत्रीय निर्यात की मांग घटेगी। इससे व्यापारिक आत्मविश्वास भी घटेगा। लिहाजा एशिया प्रशांत क्षेत्र में निवेश घटेगा। यह अनुमान दूसरे देशों के लिए 10 फीसदी के बुनियादी शुल्क और चीन पर 145 फीसदी शुल्क के परिदृश्य को ध्यान में रखकर संशोधित किया गया है। मूडीज रेटिंग्स ने बताया कि अमेरिका को भारत के निर्यात में विविधता है और तुलनात्मक रूप से इस पर कम प्रभाव पड़ेगा। इसने कहा कि इस पूरे क्षेत्र (एशिया प्रशांत) में अमेरिका की मांग को लेकर सर्वाधिक प्रभाव इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी और उपकरणों के अलावा खाद्य व वस्त्र उद्योग पर पड़ा है। रिपोर्ट में कहा गया कि लगातार अनिश्चितता और वित्तीय बाजार में बढ़ते तनाव के कारण अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाला अतिरिक्त दबाव आसानी से अमेरिका को मंदी की ओर ले जा सकता है। मूडीज रेटिंग्स की शाखा मूडीज एनॉलिटिक्स ने भी हाल ही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के वृद्धि अनुमान को कैलेंडर वर्ष 2025 के लिए 30 आधार अंक घटाकर 6.1 फीसदी कर दिया था। इसका कारण यह था कि अमेरिका के शुल्क के प्रभाव से रत्न व आभूषण, चिकित्सा उपकरण और वस्त्र उद्योग बुरी तरह प्रभावित हुआ है। दूसरी

तरफ, संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास (अंकटाड) ने बढ़ते व्यापारिक तनाव के कारण वर्ष 2025 के लिए वैश्विक वृद्धि के अनुमान को घटाकर 2.3 फीसदी कर दिया है जबकि उसने कहा है कि जबरदस्त सार्वजनिक खर्च और मौद्रिक नीति में ढील दिए जाने से भारत की वृद्धि का अनुमान 6.5 फीसदी होगा।

रसायन, पेट्रोरसायन क्षेत्र पर अमेरिकी शुल्क के प्रभाव का आकलन कर रहा है भारत

भारत के कुल निर्यात में रसायन की हिस्सेदारी करीब 18 प्रतिशत है

नई दिल्ली।

राष्ट्रीय रसायन एवं पेट्रोरसायन सचिव निवेदिता शुक्ला वर्मा ने देश के रसायन और पेट्रोरसायन उद्योग पर अमेरिकी शुल्क के प्रभाव का आकलन करने की सरकारी पहल की घोषणा की है। निवेदिता शुक्ला ने एक विचार-विमर्श सत्र में बताया कि यह निर्णय उद्योग जगत के साथ संवाद स्थापित करने के लिए किया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अतिरिक्त 26 प्रतिशत के जवाबी शुल्क लागू करने का फैसला लिया था, जिसे अब नौ अप्रैल को 90 दिन के लिए टाल दिया गया है। इसके बावजूद, 10 प्रतिशत का मूल शुल्क अब भी लागू है। उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, भारत के कुल निर्यात में रसायन की हिस्सेदारी करीब 18 प्रतिशत है। इसका अंतरराष्ट्रीय निर्यात वित्त वर्ष 2023-24 में 5.7 अरब अमेरिकी डॉलर था। निवेदिता शुक्ला ने कहा कि सरकार उद्योग जगत के साथ विचार-विमर्श के बाद उपाय निर्धारित करेगी और उद्योग के स्थिति का समीक्षा करेगी। इस नए विकल्प का अनुसरण करते हुए, भारतीय रसायन और पेट्रोरसायन उद्योग अपने व्यापारिक प्रवृत्तियों को सुरक्षित रखने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं।

वन 97 कम्युनिकेशन के एमडी ने 1,800 करोड़ के शेयर स्वेच्छा से छोड़े

नई दिल्ली। वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी वन97 कम्युनिकेशन के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विजय शेखर शर्मा ने लगभग 1,800 करोड़ रुपये के 2.1 करोड़ शेयर स्वेच्छा से छोड़ दिए हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में यह जानकारी दी। शेयरों को पेटीएम ब्रांड की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस की सूचीबद्धता के समय ईएसओपी के हिस्से के रूप में शर्मा को दिया गया था। अब ये शेयर वन97 के कर्मचारियों की शेयर विकल्प योजना, 2019 के तहत ईएसओपी पूल में लौट आएंगे। कंपनी ने कहा कि कंपनी के सीएमडी और सीईओ विजय शेखर शर्मा ने 16 अप्रैल, 2025 को दिनांकित पत्र में सूचित किया है कि उन्होंने स्वेच्छा से सभी 2,10,00,000 ईएसओपी को वन97 कम्युनिकेशन के कर्मचारी शेयर विकल्प योजना, 2019 के तहत लौटा दिए हैं।

आईपीएल में आज होगा आरसीबी और पंजाब में मुकाबला

बेंगलुरु (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम शुक्रवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में पंजाब किंग्स से खेलेगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी पर आरसीबी को इसमें घरेलू हालातों का लाभ मिल सकता है। अभी तक दोनो ही टीमों का प्रदर्शन अच्छा रहा है। दोनो ही टीमों ने अब तक चार-चार मैच जीतकर 8 अंक हासिल किये हैं पर रेट रन रेट के आधार पर आरसीब तीसरे जबकि पंजाब चौथे स्थान पर है। दोनो ही टीमों के पास अच्छे बज्लेबाज और गेंदबाज हैं , ऐसे में प्रशंसकों को एक रोमांचक मैच देखने को मिलेगा। इस मैच में आरसीबी के बल्लेबाज विराट कोहली ओर पंजाब के स्पिनर युजवेंद्र चहल के बीच कड़ी टक्कर होगी। चहल ने पिछले मैच में जबरदस्त गेंदबाजी कर अपनी टीम की ओर से 112 रनों के लक्ष्य का बचाव करने में सफलता हासिल की थी। आरसीबी के बल्लेबाजों को यहां की धीमी पिच पर पिछले मैचों में स्पिनरों के सामने संघर्ष करना पड़ा था। जिसको लाभ पंजाब के स्पिनर उठाना चाहेंगे। पंजाब के पास चहल के अलावा स्पिनर के तौर पर ग्लैन मैक्सवेल भी हैं। मैक्सवेल लंबे समय तक आरसीबी में रहे हैं और वह मैदान के हालातों को भी समझते हैं।

वहीं आरसीबी के पास भी क्रुणाल पांड्या और सुयश शर्मा जैसे अच्छे स्पिनर हैं जो पंजाब के कप्तान श्रेयस श्रेयस अय्यर और प्रियांश आर्य पर अंकुश लगाने का प्रयास करेंगे। श्रेयस के अलावा इस सत्र में प्रियांश ने भी काफी अच्छी बल्लेबाजी की है। पंजाब टीम के पास अर्शदीप सिंह और मार्को यानसन जैसे अच्छे तेज गेंदबाज भी हैं। वहीं आरसीबी के पास तेज गेंदाजाज के तौर पर अनुभवी जोश हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार हैं जिनका लाभ उसे मिलेगा। आरसीबी के लिए सकारात्मक बात ये है कि उसके कप्तान रजत पाटीदार ने अब तक टीम को अच्छी सफलता दिलायी है। रजत पहली बार कप्तानी

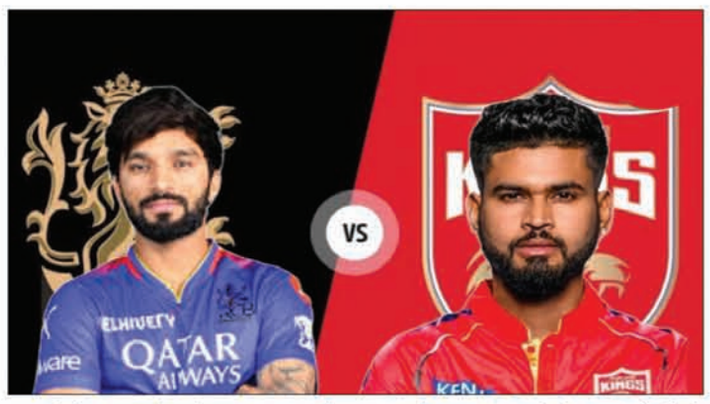

कर रहे हैं जबकि श्रेयस ने अपनी कप्तानी में पिछली कार कोलकाता नाइटराइडर्स को जीत दिलायी थी। इन दोनों खिलाड़ियों को स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ अच्छा बल्लेबाज माना जाता है और इसलिए बल्लेबाजी में उनकी अहम भूमिका रहेगी। कुल मिलाकर देखा जाये तो दोनो ही टीमों किसी भी मामले में कम नहीं है ऐसे में बराबरी की टक्कर है। आरसीबी की बल्लेबाजी में काफी गहरायी है। वहीं पंजाब के पास जुनूनी खिलाड़ी हैं हालांकि ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल के बल्ले की खामोशी उसके लिए परेशानी बन सकती है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु = रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, यश दयाल, जोश हेजलवुड, फिल साल्ट, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), लियाम लिविंगस्टोन, रसिख सलाम, सुयश शर्मा, क्रुणाल पंड्या, भुवनेश्वर कुमार, स्वप्निल सिंह, टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, नुवान तुषारा, मनोज भंडागे, जैकब बेथेल, देवदत्त पडिक्कल, स्वास्तिक छिकारा, लुंगी एनगिडी। अभिनंदन सिंह, मोहित राठी।

पंजाब किंग्स = श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), नेहल वढेरा, शशांक सिंह, ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टोइनिस, मार्को यानसन, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, यश ठाकुर, सूर्यांश शेडगे, प्रवीण दुबे, विजयकुमार विशक, हरप्रीत बराड़, अजमतुल्लाह उमरजई, जोश इंग्लिस, जेवियर बार्टलेट, विष्णु विनोद, आरोन हार्डी, कुलदीप सेन। हरनूर सिंह, मुशीर खान, पला अविनाश।

नीरज चोपड़ा ने दक्षिण अफ्रीका में 84.52 मीटर थ्रो के साथ सत्र की शुरुआत की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम में पॉट इनविटेशनल ट्रैक प्रतियोगिता जीतकर अपने सत्र की शानदार शुरुआत की। चोपड़ा ने बुधवार को वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर चैलेंजर प्रतियोगिता में 84.52 मीटर की दूरी तक भाला फेंककर छह खिलाड़ियों के बीच चले मुकाबले में शीर्ष स्थान हासिल किया।

भारतीय स्टार चोपड़ा दक्षिण अफ्रीका के 25 वर्षीय डीव स्मिट से आगे रहे, जिनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो 82.44 मीटर था। चोपड़ा का प्रदर्शन हालांकि उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 89.94 मीटर से कम था, जबकि स्मिट अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 83.29 मीटर के करीब पहुंच गए। केवल दो खिलाड़ियों चोपड़ा और स्मिट ने ही प्रतियोगिता में 80 मीटर की दूरी पार की। दक्षिण अफ्रीका के एक अन्य खिलाड़ी डंकन रॉबर्टसन 71.22 मीटर के प्रयास के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

चोपड़ा अपने नए कोच चेक गणराज्य के जान जेलेजनी की निगरानी में पोटचेफस्ट्रूम में अभ्यास कर रहे हैं। जेलेजनी तीन बार के ओलंपिक चैंपियन और विश्व रिकॉर्ड धारक हैं। भारत का यह 27 वर्षीय खिलाड़ी पिछले साल लंबे समय तक अपने कोच रहे जर्मनी के क्लॉस बार्टोनिट्ज से अलग हो गए थे।

चोपड़ा 16 मई को दोहा डायमंड लीग में एलीट प्रतियोगिताओं में अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। उन्होंने 2020 तोक्यो (स्वर्ण) और 2024 पेरिस खेलों (रजत) में लगातार ओलंपिक पदक जीते। चोपड़ा का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 89.94 मीटर है जो उन्होंने 2022 में हासिल किया था। वह पिछले लंबे समय से 90 मीटर का आंकड़ा छूने का प्रयास कर रहे हैं।

दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजी कोच पर लगा मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना

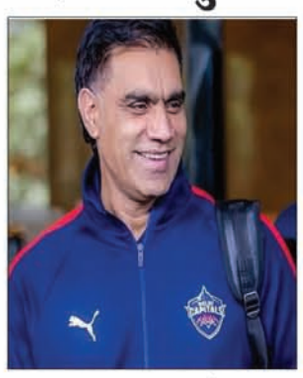

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजी कोच मुनाफ पटेल पर बुधवार को अरुण जेटली स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपनी टीम के मैच के दौरान आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और उन्हें एक डिमेरिट अंक भी मिला है।

आईपीएल ने गुरुवार को एक बयान में कहा, 'मुनाफ पटेल ने अनुच्छेद 2.20 के तहत लेवल 1 के अपराध को स्वीकार किया है जो खेल की भावना के विपरीत आचरण से संबंधित है और मैच रेफरी की सजा को स्वीकार कर लिया है। आचार संहिता के लेवल 1 उल्लंघन के लिए मैच रेफरी का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होता है।'

यह घटना दिल्ली की गेंदबाजी के दौरान हुई जब चौथे अंपायर ने कथित तौर पर दिल्ली के रिजर्व खिलाड़ी को पटेल का संदेश देने के लिए मैदान में प्रवेश करने से रोक दिया। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज को बाउंड्री लाइन पर अपने फीते बांधते समय अंपायर से बहस करते देखा गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

मिचेल स्टार्क के गेंद से शानदार प्रदर्शन की बदौलत दिल्ली कैपिटल्स ने सुपर ओवर में रोमांचक जीत हासिल की। उन्होंने न केवल आखिरी ओवर में सेट बल्लेबाजों ध्रुव जुरेल और शिमरोन हेटमायर के खिलाफ 9 रन का बचाव किया, बल्कि सुपर ओवर में राजस्थान को 11 रन पर रोक दिया।

केएल राहुल और ट्रिस्टन स्टब्स ने आराम से घरेलू टीम को जीत दिलाई और अरुण जेटली स्टेडियम में सीजन की अपनी पहली जीत दर्ज की। मैच में अपने दमदार गेंदबाजी प्रदर्शन के लिए स्टार्क को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने अपने चार ओवरों में 1/36 के आंकड़े के साथ वापसी की, जबकि उन्होंने सुपर ओवर में दो विकेट भी लिए। इस जीत ने दिल्ली को 6 मैचों में 5 जीत के साथ 10 अंकों सहित शीर्ष स्थान हासिल करने में मदद की। अब दिल्ली शनिवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटन्स से भिड़ेगी।

बीसीसीआई जल्द करेगा केंद्रीय अनुबंधों की घोषणा, अय्यर की वापसी, कुलदीप-अक्षर का हो सकता है प्रोमोशन

मुंबई (महाराष्ट्र) (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) इस सप्ताह के अंत तक 2025-26 सत्र के लिए केंद्रीय अनुबंधों की घोषणा कर सकता है। सूत्रों के हवाले से इस बात की जानकारी सामने आई है। सूत्रों की मानें तो स्टार स्पिनर कुलदीप यादव और अक्षर पटेल को ग्रेड बी से ग्रेड ए में प्रोमोट किया जा सकता है। मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को भी 2024-25 सत्र के लिए बाहर किए जाने के बाद अनुबंध सूची में वापसी की उम्मीद है। सूत्रों ने आगे कहा कि वरिष्ठ खिलाड़ी रोहित शर्मा, विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह के ए+ ग्रेड में अपना स्थान बनाए रखने की संभावना है।

कुलदीप और अक्षर हाल ही में भारत की दो आईसीसी खिताब जीत आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 और आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के दौरान भारत के शीर्ष प्रदर्शन करने वालों में शामिल रहे हैं। टी20 विश्व कप में कुलदीप ने 13.90 की औसत और 6.95 की इकॉनमी रेट से 10 विकेट लिए थे जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 3/19 रहा था। चैंपियंस ट्रॉफी में उन्होंने 31.85 की औसत से 7 विकेट लिए थे, जिसमें उनका इकॉनमी रेट 4.79 और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 3/40 रहा था।

भारत के प्रमुख स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने दोनों टूर्नामेंटों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। टी20 विश्व कप 2024 के दौरान 8 मैचों की 5 पारियों में उन्होंने पांच पारियों में 23.00 की औसत और 139.39 की स्ट्राइक रेट से 92 रन बनाए। उन्होंने 19.22 की औसत और 7.86 की इकॉनमी रेट से 9 विकेट भी लिए जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 3/23 रहा। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में उनका 47 रन का जवाबी हमला अहम साबित हुआ।

चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 में अक्षर ने दुबई की कठिन परिस्थितियों में लगभग 74 की स्ट्राइक रेट के साथ, पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए पांच पारियों में 27.25 की औसत से 109 रन बनाए। उन्होंने पांच विकेट लेकर और प्रति ओवर सिर्फ 4.35 रन देकर खुद को भारत के सबसे सफल स्पिनर के रूप में भी पेश किया। उनका गेंदबाजी औसत भी 39.20 रहा। इन दो खिताब जीत और उनमें उल्लेखनीय योगदान के साथ अक्षर ने एक प्रभावशाली सितारे के रूप में भारतीय सेट-अप में अपने लिए एक स्थायी स्थान सुनिश्चित कर लिया है। अक्षर को इंडियन प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी भी सौंपी गई है और छह मैचों में पांच जीत के साथ, उन्होंने शानदार शुरुआत की है। पिछले साल केंद्रीय अनुबंध से हटाए जाने के बावजूद श्रेयस अय्यर ने कुछ यादगार प्रदर्शन किए, उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए कप्तान के रूप में आईपीएल जीता, घरेलू क्रिकेट में रणजी ट्रॉफी, ईरानी कप और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीती, जिसमें से SMAT जीत कप्तान के रूप में आई। अय्यर ने इस साल इंग्लैंड श्रृंखला के दौरान एकदिवसीय सेट-अप में वापसी करने से पहले घरेलू क्रिकेट में सभी प्रारूपों में भारी स्कोर किया और आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी खिताब जीत में भारत के शीर्ष रन बनाने वाले खिलाड़ी बने, जिन्होंने पांच मैचों में 243 रन और दो अर्द्धशतक बनाए।

अय्यर ने इस साल 8 वनडे मैचों में चार अर्द्धशतकों के साथ 53.00 की औसत से 424 रन बनाए हैं। पंजाब किंग्स के कप्तान के रूप में बल्लेबाज ने शानदार शुरुआत की है जिसने अब तक छह में से चार मैच जीते हैं और छह मैचों में तीन अर्द्धशतकों के साथ 250 रन बनाए हैं। टी20आई प्रारूप से संन्यास ले रोहित और विराट के ए+ श्रेणी में बने रहने की संभावना है, क्योंकि उन्होंने हाल ही में भारत की व्हाइट-बॉल खिताबी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। रोहित ने टी20 विश्व कप 2024 के दौरान आठ मैचों में 257 रन बनाए जिसमें तीन अर्द्धशतक शामिल हैं। विराट ने निराशाजनक टूर्नामेंट के बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में 76 रन की शानदार पारी खेली।

ओलंपिक क्रिकेट मुकाबले कैलिफोर्निया के पोमोना शहर में होंगे : शाह

दुबई। 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में 128 साल बाद क्रिकेट की वापसी होने जा रही है। ओलंपिक में होने जा रहे क्रिकेट मुकाबलों को लेकर अभी से तैयारियां शुरु हो गयी हैं। इसके लिए दक्षिण कैलिफोर्निया का पोमोना शहर तैयार किया जा रहा है। यहीं क्रिकेट मुकाबले होंगे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने ये बात कही है। इसमें पुरुष और महिला वर्ग में छह-छह टीमें भाग लेंगी। इसका आयोजन पोमोना के फेयरग्राउंड में होगा। आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने एक कहा, 'हम लॉस एंजिल्स 2028 में क्रिकेट के आयोजन स्थल की घोषणा का स्वागत करते हैं क्योंकि यह ओलंपिक में हमारे खेल की वापसी की तैयारी की दिशा में एक अहम कदम होगा।' उन्होंने कहा, 'क्रिकेट एक बेहद लोकप्रिय खेल है और ओलंपिक से उसे विस्तार करने का एक शानदार अवसर मिलेगा। टी20 प्रारूप का रोमांच ओलंपिक के क्रिकेट के लिए नए दर्शकों को अपनी ओर खींचेगा।' गौरतलब है कि इससे पहले क्रिकेट के मुकाबले 1900 के पेरिस ओलंपिक खेलों में हुए थे। इसे अक्टूबर 2023 में मुंबई में आईओसी के 141वें सत्र के बाद लॉस एंजिल्स ओलंपिक कार्यक्रम में शामिल किया गया था।

स्टार्क की यॉर्कर गेंदबाजी ने बदला मैच

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हुए मुकाबले में 12 गेंदों में सभी 12 यॉर्कर डालकर सभी को हैरान कर दिया। इस मैच में दिल्ली की जीत में स्टार्क की भी अहम भूमिका रही। इस तेज गेंदबाज ने अपने प्रदर्शन से मैच पलट दिया। उसने अंतिम ओवरों में राजस्थान रॉयल्स को अपनी गेंदबाजी से ध्वस्त कर दिया। स्टार्क ने रॉयल्स के खिलाफ ऐसे सटीक यॉर्कर डाले कि उसके बल्लेबाजों को शॉट लगाने का कोई अवसर नहीं मिला जबकि इस मैच में रॉयल्स की टीम जीत के करीब पहुंच गयी थी। उसे अंतिम ओवर में जीत के लिए केवल नौ रन की जरूरत थी पर स्टार्क पेसर ने सिर्फ आठ ही रन दिए, जिससे मैच सुपर ओवर में पहुंच गया। सुपर ओवर में रॉयल्स के लिए शिमरोन हेटमायर ने 06 और रियान पराग ने 04 रन बनाये। मिचेल स्टार्क ने इस ओवर में छह गेंद यॉर्कर फेंकी, जिसमें एक चौका हेटमायर और एक पराग ने लगाया पर पराग फ्री हिट पर रन आउट हो गए। वहीं यशस्वी जायसवाल अपना खाता भी नहीं खोल पाये। ऐसे में दिल्ली को जीत के लिए 12 रन बनाने थे। दिल्ली की ओर से लोकेश राहुल ने नाबाद 07 और ट्रिस्टन स्टब्स ने नाबाद 06 रन बनाये। रॉयल्स की ओर से संदीप शर्मा गेंदबाजी कर रहे थे। राहुल ने पहली गेंद पर दो रन लिए और फिर अगली गेंद पर चौका लगाया। वहीं स्टब्स ने चौथी गेंद पर छक्का लगाकर टीम को जीत दिला दी।

आईपीएल 2025 : अर्शदीप बोले, 'पंजाब किंग्स में मुझे बहुत बड़ी जिम्मेदारी दी गई है'

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने कहा कि फ्रेंचाइजी में अपना पहला साल बिताने के बाद उन्हें लगा कि उन्हें एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है जिससे एक खिलाड़ी और इंसान के रूप में विकसित होने में मदद मिली है। अर्शदीप 2019 IPL से पहले PBKS में शामिल हुए और तब से वह टीम का एक अभिन्न हिस्सा रहे हैं, उन्होंने 71 मैचों में 26.82 की औसत और 9 की इकॉनमी रेट से 84 विकेट लिए हैं।

अर्शदीप ने गुरुवार को यूट्यूब पर फ्रेंचाइजी द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, 'जब से मैं पंजाब किंग्स में आया हूं, पहले साल को छोड़कर, मुझे अपनी भूमिका में वरिष्ठता महसूस होने लगी है। मैं पिछले सात सालों से इस टीम से जुड़ा हुआ हूं और टीम के साथ अपना पहला साल बिताने के बाद मुझे

लगने लगा कि मुझे टीम में बहुत बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। इससे मुझे एक खिलाड़ी और इंसान के रूप में विकसित होने में भी मदद मिली।'

अर्शदीप का सफल आईपीएल सीजन 2021 में आया जब उन्होंने 12 मैचों में 18 विकेट लिए। उन्होंने 2022 में 10 विकेट लिए जिसमें मुंबई इंडियंस के खिलाफ सुपर ओवर में अपनी हिम्मत बनाए रखना भी शामिल है। इसने उन्हें भारत की टी20आई टीम में शामिल होने के लिए प्रेरित किया, जहां अर्शदीप उस टीम के सदस्य थे जिसने 2024 पुरुष टी20 विश्व कप जीता और आईसीसी पुरुष टी20आई क्रिकेटर ऑफ द ईयर का पुरस्कार भी जीता।

अर्शदीप ने आगे बताया कि कैसे इस वरिष्ठता की भावना ने खेल के प्रति उनके दृष्टिकोण को आकार दिया, खासकर उच्च दबाव की स्थितियों में। उन्होंने कहा, 'मेरी भूमिका और विकास में उन्नति बहुत पहले हुई और इसलिए मुझे पता था कि मैं महत्वपूर्ण चरणों में गड़बड़ नहीं कर सकता क्योंकि उन समय, योजना के अनुसार काम नहीं करने से टीम गंभीर संकट में पड़ सकती है। इसलिए, मैं गंभीर हो गया और बहुत जल्दी ही एक वरिष्ठ की तरह महसूस करने लगा।'

उन्होंने ऑनलाइन ट्रोल का सामना करने के अपने दृष्टिकोण के बारे में बात करते हुए अंत में कहा, 'मेरे करियर में उतार-चढ़ाव आए हैं। मैंने बहुत ही कम समय में सबसे ऊंचे मुकाम के साथ-साथ सबसे निचले मुकाम को भी देखा है। लेकिन मैं इन ट्रोल्स से बहुत खुश हूं। मैं उनकी रचनात्मकता और मीम्स पर हंसता हूं। पहले, मैं इन मीम्स और संदेशों को सहेज कर रखता था ताकि बाद में उनका इस्तेमाल कर सकूं, लेकिन अब मुझे लगता है कि इनका कोई मतलब नहीं है। हालांकि, मुझे अभी भी लोगों की रचनात्मकता को देखने में मजा आता है।' पंजाब का अगला मुकाबला शुक्रवार को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से होगा।

सुरुचि सिंह-सौरभ चौधरी ने जीता 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक

लीमा। भारतीय निशानेबाज सुरुचि सिंह और सौरभ चौधरी ने आईएसएसएफ विश्वकप 2025 में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीत लिया है। बुधवार को हुई स्पर्धा में सुरुचि और सौरभ ने स्वर्ण पदक के लिए हुए मुकाबले में 8-2 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए चीन की याओ कियानक्सुन और हू काई की जोड़ी को 17-9 से हराया। इस वर्ष आईएसएसएफ विश्वकप में सुरुचि का यह तीसरा स्वर्ण और कुल मिलाकर चौथा पदक था। उन्होंने पिछले सप्ताह ब्यूनस आयर्स में और मंगलवार को लीमा में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल निशानेबाजी स्पर्धा जीत दर्ज की थी। उन्होंने ब्यूनस आयर्स में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में सौरभ के साथ कांस्य पदक भी जीता था। दूसरी ओर, सौरभ ने भी पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर लगभग तीन वर्षों में आईएसएसएफ विश्वकप में अपना पहला व्यक्तिगत पदक जीता था। इस बीच, 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा के कांस्य पदक मैच में मनु भाकर और रविंदर सिंह को चीन के मा कियानके और झांग यिफान की जोड़ी ने 16-6 से हराया। 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा के क्वालीफिकेशन राउंड में सुरुचि सिंह (291) और सौरभ चौधरी (289) ने कुल 580 अंकों के साथ दूसरा स्थान हासिल किया था।

आईपीएल से पहले नेट में इस कारण गेंदबाजी नहीं करते हैं नरेन: बिस्ला

चंडीगढ़ (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के गेंदबाज सुनील नरेन ने आईपीएल मैच से पहले नेट में गेंदबाजी नहीं करते हैं। वहीं आमतौर पर सभी गेंदबाज मैच से पहले लय हासिल करने नेट अभ्यास करते हैं। नरेन बिना नेट अभ्यास के ही मैच में अच्छी गेंदबाजी करते है। पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में नरेन ने 3 ओवर में केवल 14 रन देकर ही 2 खिलाड़ियों को आउट कर दिया। केकेआर के पूर्व खिलाड़ी मनविंदर बिस्ला ने कहा है कि नरेन को नेट्स में गेंदबाजी करने में कोई रुचि नहीं है। इसका एक कारण ये ही है कि वे नहीं चाहते है कि बल्लेबाज उनकी गेंदबाजी को पहले ही पढ़ लें क्योंकि आज टीम में शामिल बल्लेबाज ही कुछ साल बाद दूसरी टीम के लिए भी खेल सकते हैं। बिस्ला के मुताबिक नरेन की सफलता का राज भी नेट में गेंदबाजी नहीं करना है। बिस्ला केकेआर में विकेटकीपर के तौर पर खेला करते थे। उन्हें नरेन से कहना पड़ता था कि वो उन्हें 12 से 13 गेंद फेंक दे, जिससे वो उनकी गेंदबाजी में पड़ने वाली विविधता को समझ सकें क्योंकि उन्हें विकेटकीपिंग कीपिंग के दौरान कैच और स्टंपिंग करना होता था। इसके बाद नरेन ने बिस्ला को कुछ गेंदे फेंकी थी जिससे उन्हें नरेन की गेंदबाजी की विविधता समझ आई।

केकेआर ने आईपीएल में तीन ट्रॉफी जीती है। इस दौरान नरेन ने टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। नरेन आईपीएल में तीन बार मोस्ट वैलुएबल प्लेयर ऑफ द सीजन भी रहे हैं। केकेआर ने पिछले सत्र में खिताब जीता था। तब भी नरेन ने अच्छा प्रदर्शन किया था। उस समय नरेन ने 180 के ऊपर के स्ट्राइक रेट से 488 रन बनाए थे। साथ ही में 6.69 की इकॉनमी रेट से 17 विकेट लिए थे। वहीं इस सत्र में भी उन्होंने 190 की स्ट्राइक रेट से 130 रनों के साथ ही 6 मैचों में 7 विकेट भी लिए हैं।

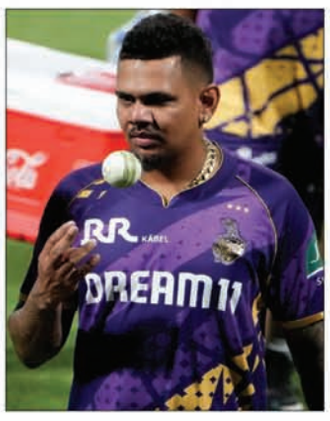

अभिषेक नायर पर बीसीसीआई की बड़ी कार्रवाई, फील्डिंग कोच को भी दिखाया बाहर का रास्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 में टीम के खराब प्रदर्शन और ड्रेसिंग रूम में कथित लीक के बाद भारत के सहायक कोच अभिषेक नायर को बर्खास्त करने का फैसला किया। फील्डिंग कोच टी दिलीप और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच सोहम देसाई को भी हटा दिया गया है क्योंकि उनका राष्ट्रीय टीम के साथ तीन साल का अनुबंध समाप्त हो गया है।

भारत ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 में ऑस्ट्रेलिया से 3-1 से निराशाजनक हार के बाद लॉर्ड्स में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) 2023-25 के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने का अवसर खो दिया। रिपोर्ट के अनुसार मेलबर्न टेस्ट के पूरा होने के बाद, टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर चौथे टेस्ट में खिलाड़ियों के प्रदर्शन से बहुत खुश नहीं थे और उन्होंने खिलाड़ियों को यह बात बताई।

सिडनी टेस्ट की शुरुआत से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए गंभीर ने रिपोर्ट्स पर चुप्पी तोड़ी और कहा कि ड्रेसिंग रूम के अंदर कुछ बातें थीं। उन्होंने अपनी बात रखते हुए कहा, 'टीम के लिए महान चीजें हासिल करने के लिए 'ईमानदारी' बेहद जरूरी है। वे सिर्फ रिपोर्ट्स हैं, यह सच नहीं है और मुझे नहीं लगता कि मुझे किसी भी रिपोर्ट का जवाब देने की जरूरत है, ईमानदारी से कहूं तो। और कुछ ईमानदार बातें हैं। मैं बस इतना ही कह सकता हूं। ईमानदारी बहुत जरूरी है। अगर आप आगे बढ़ना चाहते हैं और कुछ महान चीजें हासिल करना चाहते हैं तो ईमानदारी बेहद जरूरी है।'

बीसीसीआई के एक सूत्र के अनुसार अभिषेक नायर और एक अन्य सहायक कोच रेयान टेन डोशेट 2025 की शुरुआत में जांच के दायरे में थे, क्योंकि बीसीसीआई टीम प्रबंधन में स्पष्ट 'कोलकाता नाइट राइडर्स टच' से खुश नहीं था। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर अभिषेक नायर और नीदरलैंड के पूर्व क्रिकेटर रेयान टेन डोएशेट 8 महीने पहले श्रीलंका के व्हाइट-बॉल दौरे के दौरान सहायक कोच के रूप में टीम इंडिया के सहयोगी स्टाफ में शामिल हुए थे। नायर और डोएशेट केकेआर में भी सहायक कोच थे और गंभीर के साथ काम करते थे। गंभीर की सलाह के तहत, कोलकाता स्थित फ्रैंचाइजी ने फाइनल में सनराइजर्स हैदराबाद को 8 विकेट से हराकर इंडियन प्रीमियर लीग का 2024 संस्करण जीता।

इससे पहले बीसीसीआई ने एक नोटिस जारी कर कहा था कि राष्ट्रीय टीम के सहयोगी स्टाफ को अगर वे टीम के साथ तीन साल पूरे कर लेते हैं तो उन्हें सेवाओं से हटा दिया जाएगा। टी दिलीप और सोहम देसाई को उनके कर्तव्यों से मुक्त कर दिया गया है क्योंकि उन्होंने भारतीय क्रिकेट टीम के साथ

अपना तीन साल का कार्यकाल पूरा कर लिया है। टी दिलीप भारत की उस टीम का हिस्सा थे जिसने 2024 में आईसीसी टी20 विश्व कप और इस साल आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी।

बॉश वनडे त्रिकोणीय सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका टीम से बाहर, इस प्लेयर को मिली जगह

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी ऑलराउंडर एनेके बॉश श्रीलंका और भारत के खिलाफ 27 अप्रैल से 11 मई तक होने वाली वनडे त्रिकोणीय सीरीज से बाहर हो गई हैं। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने गुरुवार को कहा कि एनेके बीमारी के कारण इस दौरे से बाहर हो जाएंगी। उनकी जगह लारा गुडॉल को 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया है, जिन्हें मूल रूप से इस दौरे के लिए शामिल नहीं किया गया था। बाएं हाथ की मध्यक्रम की बल्लेबाज लारा ने आखिरी बार पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका के लिए वनडे खेला था और हाल ही में उन्हें केंद्रीय अनुबंध सूची से बाहर कर दिया गया था। अब उनके पास दक्षिण अफ्रीका के लिए अपने 51 वनडे मैचों में और मैच जोड़ने का मौका है। क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने एक बयान में कहा, 'बल्लेबाजी ऑलराउंडर एनेके बॉश को 27 अप्रैल से 11 मई तक श्रीलंका और भारत के खिलाफ होने वाली प्रोटियाज महिलाओं की आगामी एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय त्रिकोणीय श्रृंखला से बाहर कर दिया गया है। बॉश बीमारी के कारण दौरे से बाहर रहेंगी और एहतियात के तौर पर उनकी जगह 15 खिलाड़ियों की टीम में वर्ल्ड स्पोर्ट्स बेटिंग वेस्टर्न प्रोविंस की बल्लेबाज लारा गुडॉल को शामिल किया गया है।'

खौफ का किरदार कुछ अलग, मुझमें आया बड़ा बदलाव

अभिनेता-फिल्म निर्माता रजत कपूर स्टारर हॉरर सीरीज खौफ रिलीज के लिए तैयार है। उत्साहित अभिनेता ने कहा कि यह उनके लिए एक बड़ा बदलाव था। रजत ने बताया कि उन्हें अपकमिंग हॉरर सीरीज खौफ में किस बात ने आकर्षित किया और यह किरदार उनके निभाए अब तक के किरदारों से अलग क्यों है। खौफ में अपनी भूमिका के बारे में उन्होंने कहा, यह किरदार मेरे अभी तक के निभाए सभी किरदारों से अलग है। जब मुझे फोन कॉल आया और मैंने कंटेंट को पढ़ा, तो मैं उत्साहित था। यह मेरे लिए एक बड़ा बदलाव था, जो काम मैंने पहले किया था, उससे बिल्कुल अलग।

फिल्म की कहानी बहुत रोमांचक लगी

उन्होंने कहा, निर्देशक पंकज कुमार और निर्माता स्मिता से मिलने से पहले, मैंने उनके भेजे गए कंटेंट को पढ़ा और महसूस किया कि यह रोमांचक था। इसे पढ़कर मुझे अपनी स्पाइन में सेंसेशन महसूस हुई, जो आमतौर पर नहीं होती। मैं अपनी भूमिका को लेकर बेहद उत्साहित था। अभिनेता ने आगे बताया, कभी-कभी कोई भूमिका कमजोर हो सकती है या आपकी अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतरती है, लेकिन मेरी यह भूमिका बिल्कुल विपरीत है। शूटिंग का अनुभव, कॉस्ट्यूम, मेकअप - सब कुछ इसे और भी बेहतर बनाता है। यह उन कुछ प्रोजेक्ट्स में से एक है, जिन पर मैंने काम किया है और जिसका मैं वास्तव में इंतजार कर रहा हूं। मैं आमतौर पर अपने काम को लेकर इतना उत्साहित नहीं होता, लेकिन यह वास्तव में रोमांचक है। 'खौफ' की कहानी पर नजर डालें तो यह मधु नाम की लड़की की कहानी है, जो नए शहर में जिंदगी की नई शुरुआत के लिए आती है और एक हॉस्टल में शिफ्ट होती है। हॉस्टल के कमरे में उसका सामना एक बुरी शक्ति से होता है, जो उसकी पिछली जिंदगी के पिशाच को उसके सामने खड़ा कर देता है। स्मिता सिंह की सीरीज खौफ का निर्माण संजय राउत्रे और सरिता पाटिल ने मैचबॉक्स शॉट्स बैनर के तहत किया है। पंकज कुमार और सूर्या बालकृष्णन के निर्देशन में बनी आठ एपिसोड वाली इस सीरीज में रजत कपूर के साथ मोनिका पंवार, अभिषेक चौहान, गीतांजलि कुलकर्णी, चुम दरांग और शिल्पा शुक्ला भी अहम भूमिकाओं में हैं। खौफ का प्रीमियर 18 अप्रैल को प्राइम वीडियो पर होगा।

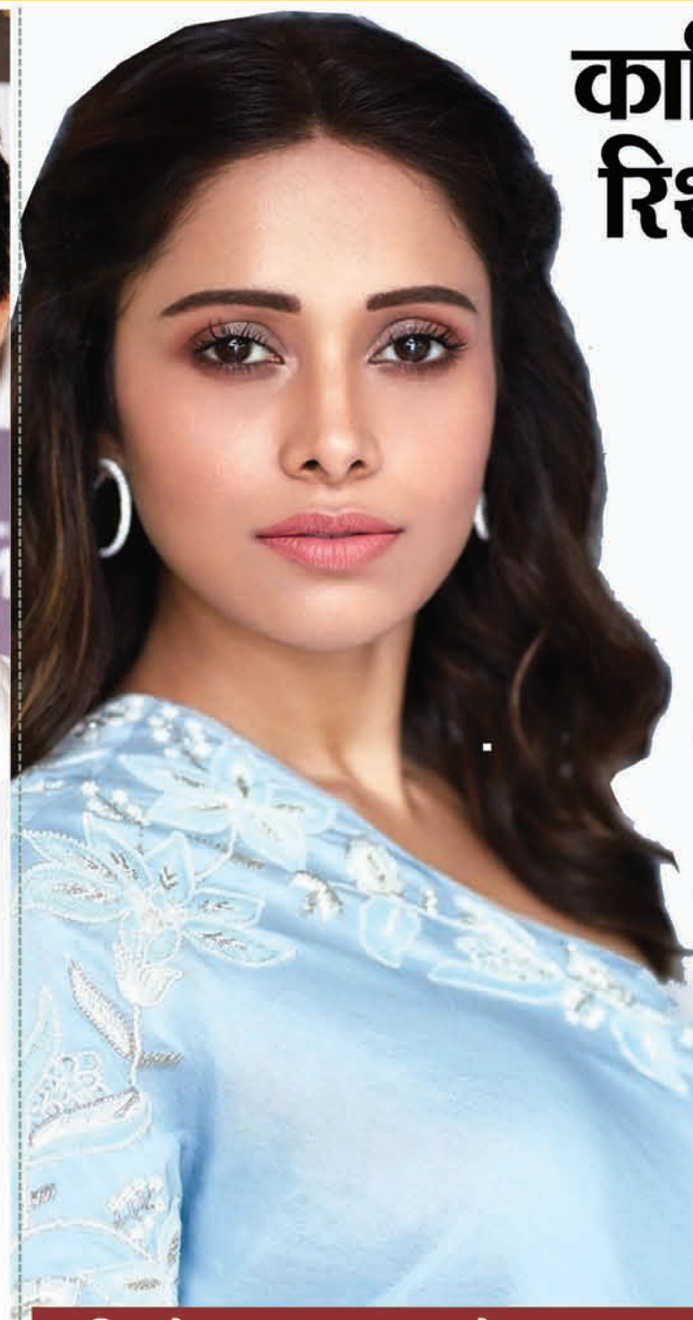

कार्तिक आर्यन के साथ रिश्ते पर नुसरत भरुचा ने किया खुलासा

नुसरत भरुचा और सोहा अली खान की हॉरर फिल्म 'छोरी 2' ओटीटी पर स्ट्रीम हो रही है। एक्ट्रेस ने कार्तिक आर्यन के साथ अपने रिश्तों पर भी खुलकर बात की। साथ ही उन्होंने फिल्म 'छोरी 2' के सेट से जुड़े अपने अनुभव भी साझा किए।

नुसरत से जब पूछा गया कि क्या कार्तिक आर्यन उनके लिए अब भी रज्जो हैं या द कार्तिक आर्यन हो गए हैं? तो उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता मैं इस सवाल का जवाब कैसे दूं? क्योंकि मैं नहीं जानती कि मैं उनके लिए नेहा ही हूं? या उनके लिए द नुसरत भरुचा हो गई हूं? ऐसा कुछ होता नहीं है। हम एक्टर्स हैं, हम सामान्य इंसान हैं, हम साथ में काम करते हैं। वह हमेशा मेरे लिए कार्तिक ही रहेंगे। मैं उनके लिए नुसरत ही रहूंगी। मुझे यह नहीं लगता कि यहां द कार्तिक और द नुसरत भरुचा जैसा कुछ है। हम इंसान ही हैं। हम इंसानों की तरह मिलते हैं, चिल और नॉर्मल रहते हैं।'

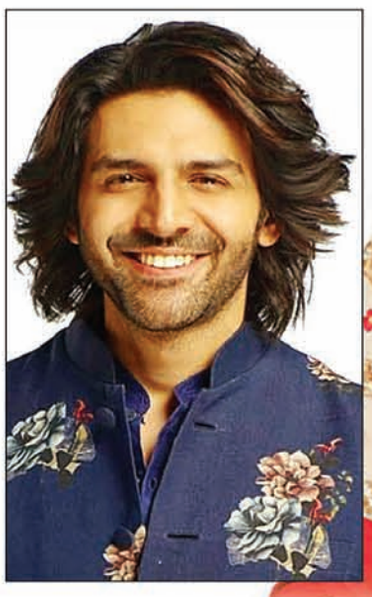

'छोरी 2' के सेट पर कैसा रहा नुसरत का अनुभव

'छोरी 2' की शूटिंग के दौरान के अनुभव के बारे में बात करते हुए नुसरत ने कहा, ' मेकर्स ने इस पार्ट में मुझे डराने से ज्यादा टॉर्चर किया है। धूल-मिट्टी, चाबुक मारना, टनल से उल्टा फेंकना, पानी के अंदर डालना यह सब होता रहा। हालांकि, यह बहुत अच्छी जर्नी रही। 'छोरी' में तो मुझे लगा था कि इससे ज्यादा क्या ही करेंगे? लेकिन 'छोरी 2' ने मुझे चौंका दिया। मुझे हर सीन के बाद लगा अब ये होगा। अच्छा ये होगा। दाद देती हूं मेकर्स की इमेजिनेशन की।' 'छोरी 2' के सेट पर क्या खास रहा? पूछा जाने पर कहा, ' इस बार मुंबई में हुई। इसका सेट वहीं लगाया। उन्होंने कहा, इस बार हमने एक अंडरग्राउंड सेट बनाया हुआ था। बाकी आपको फिल्म देख कर ही पता चलेगा। हम इस बार फिल्म में घबराहट, बेचैनी और पहले पार्ट से डबल भ्रम लेकर आए हैं। पहल भाग में सिर्फ पति-पत्नी थे, लेकिन इस बार फैमिली भी बढ़ गई है। जो इस फिल्म को और डरावना बनाएगी।'

प्लास्टिक सर्जरी के दावों और ट्रोलिंग पर मौनी ने तोड़ी चुप्पी

अभिनेत्री मौनी रॉय अपनी प्लास्टिक सर्जरी करवाने की खबरों के वायरल होने के बाद से चर्चा में हैं। हाल ही में एक कार्यक्रम में अभिनेत्री ने पिछले कुछ महीनों से लगातार हो रही ट्रोलिंग पर अपनी चुप्पी तोड़ी। अभिनेत्री ने कहा कि उन्हें उन बेकार ट्रोल्स की परवाह नहीं है, जो मतलबी टिप्पणियां पोस्ट करके खुशी पाते हैं।

ट्रोलिंग पर मौनी की प्रतिक्रिया

हाल ही में मीडिया से बातचीत के दौरान एक पत्रकार ने उनसे ट्रोलिंग के बारे में पूछा। अपनी ट्रोलिंग के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, कुछ नहीं, देखती ही नहीं। सबको अपना काम करने दो। मैं ऐसी टिप्पणियों पर ध्यान नहीं देती। अगर आप दूसरों को ट्रोल करने के लिए पर्दे के पीछे छिपते हैं और अगर आपको इसमें खुशी मिलती है तो ऐसा ही हो।

लुक चेंज होने पर ट्रॉल हुई थीं मौनी

मौनी रॉय हाल ही में अपनी आने वाली फिल्म भूतनी के ट्रेलर लॉन्च में शामिल हुईं। इस इवेंट में उनकी मौजूदगी ने ट्रोल्स को आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि मौनी के माथे में कुछ गड़बड़ है और कहा गया कि मौनी ने प्लास्टिक सर्जरी करवाई है, जो गलत हो गई।

बाबिल के साथ काम करने का अनुभव शानदार रहा

अभिनेत्री रसिका दुग्गल बहुप्रतीक्षित ड्रामा 'लॉगआउट' में दिवंगत अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान के साथ पहली बार स्क्रीन स्पेस शेयर करती नजर आएंगी। रसिका ने बताया कि बाबिल के साथ काम करने का उनका अनुभव शानदार रहा। रसिका ने बताया, बाबिल के साथ काम करने का अनुभव खास रहा। वह दिलचस्प अभिनेता हैं और उन्हें काम में अपना सर्वश्रेष्ठ देते देखना दिल को छू लेने वाला था। उन्होंने कहा, मैं पहली बार बाबिल से तब मिली थी, जब मैंने उनके पिता इरफान के साथ किस्सा में काम किया था। अपने करियर की शुरुआत में इरफान के साथ काम करना मेरे लिए सम्मान की बात थी और बाबिल के करियर की शुरुआत में उनके साथ काम करना मेरे लिए बहुत खास है। यह एक चक्र की तरह लगा। अभिनेत्री ने 'लॉगआउट' की टीम के बारे में कहा, मैंने पहले भी निर्देशक अमित गोलानी, लेखक बिस्वपति सरकार, क्रिएटिव प्रोड्यूसर समीर सक्सेना के साथ काम किया है। वे बेहद प्रतिभाशाली हैं। मैं किस्सा के माध्यम से उस जुड़ाव को फिर से अनुभव करने के लिए उत्साहित हूं।

अमित गोलानी के निर्देशन में बनी लॉगआउट की कहानी को बिस्वपति सरकार ने लिखा है। बाबिल और रसिका दुग्गल के साथ इस प्रोजेक्ट में निमिशा नायर और गंधर्व दीवान भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। पोशम पा पिक्चर्स के सहयोग से डिजिटल 18 मीडिया प्राइवेट लिमिटेड ने लॉगआउट का निर्माण किया है। यह भारतीय फिल्म महोत्सव मेलबर्न 2024 और रिवर टू रिवर फ्लोरेंस भारतीय फिल्म महोत्सव 2024 के साथ ही अन्य कई फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित की जा चुकी है, जिसमें इसे खूब सराहना मिली।

विनीत कुमार सिंह ने जाट के बाद नए प्रोजेक्ट की दी झलक

अभिनेता विनीत कुमार सिंह 2025 की शुरुआत से ही लगातार सुर्खियों में हैं। उनका शानदार सफर थमने का नाम नहीं ले रहा और उनके फैंस भी यही उम्मीद कर रहे हैं। इस साल की शुरुआत फिल्म छावा से धमाकेदार तरीके से करने वाले विनीत ने सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव और अब जाट में भी शानदार अभिनय किया है। उन्हें बॉलीवुड में अब तक की सबसे बेहतरीन फिल्मों में से एक माना जा रहा है। अपने प्रभावशाली अभिनय के साथ विनीत ने अपने लिए एक अलग पहचान बनाई है और एक ऐसे कलाकार के रूप में अपनी पहचान बनाई है जो किसी भी जटिल भूमिका को बेहद आसानी से निभा सकता है। विनीत अपने विनम्र और व्यावहारिक स्वभाव के लिए भी जाने जाते हैं। हाल ही में विनीत ने सोशल मीडिया पर जाट की पूरी टीम को उन्हें एक यादगार प्रोजेक्ट देने के लिए धन्यवाद दिया। विनीत ने अपनी पोस्ट में फिल्म से जुड़े हर व्यक्ति, अभिनेताओं, लेखकों, निर्देशकों का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने यह भी लिखा कि जाट उनके लिए हमेशा यादगार रहेगी क्योंकि यह उनकी पहली निगेटिव भूमिका थी, और साथ ही ये उनकी पहली साउथ फिल्म भी है। उनका धन्यवाद पोस्ट इसलिए भी खास है क्योंकि उन्होंने सिर्फ टीम को ही नहीं, बल्कि अपने फैंस और आलोचकों को भी इस सफर में अहम भूमिका निभाने के लिए दिल से धन्यवाद कहा ङ्क जो उन्हें लगातार बेहतर बनने की प्रेरणा देते हैं।

विनीत ने लिखा, मुझ पर विश्वास करने और सोमुलु को जीवंत करने के लिए निर्देशक गोपीचंद सर का मैं दिल से आभार व्यक्त करता हूँ। यह पहली बार है जब मैं खलनायक की भूमिका निभा रहा हूँ, मैंने इसके बारे में कभी नहीं सोचा था, और उनके दृढ़ विश्वास ने मुझे यह कदम उठाने के लिए प्रेरित किया। इस किरदार ने मुझे बहुत कुछ सिखाया, और मैं इसके लिए बहुत आभारी हूं! उन्होंने आगे लिखा, आप सभी के प्यार से अभिभूत - इस साल छावा और सुपरबॉयज़ ऑफ़ मालेगांव के बाद जाट तीसरी सफल फ़िल्म है। आप सभी का तहे दिल से शुक्रिया! यह मेरी पहली साउथ फिल्म है और हर किसी की लगन और प्रतिभा ने मुझे चौंका दिया। इस टीम के साथ काम करना एक सपना जैसा रहा। सोमुलु और आने वाले प्रोजेक्ट्स के लिए जश्न मनाने का समय है। मैं भविष्य के लिए उत्साहित हूं और अपनी टीम के हर सदस्य को उनके समर्पण और मेहनत के लिए धन्यवाद देता हूं।

दर्शकों और समीक्षकों का समर्थन पाना किसी वरदान से कम नहीं है। जाट और सोमुलु को इतना प्यार मिलना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। नए मौकों और सहयोगों के लिए तैयार हूं। जल्द मिलते हैं कुछ नए के साथ! खैर, यह तो साफ है कि इस बेहतरीन कलाकार के पास पाइपलाइन में कुछ और है, या फिर विनीत ने किसी नए प्रोजेक्ट पर हस्ताक्षर कर दिए हैं? चर्चा है कि वह जल्द ही मुक्काबाज़ के निर्देशक अनुराग कश्यप के साथ फिर से काम करने जा रहे हैं, लेकिन इस प्रोजेक्ट की जानकारी अभी सामने नहीं आई है। इसके अलावा, वह कबीर खान एंटरटेनमेंट के साथ भी एक प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं।

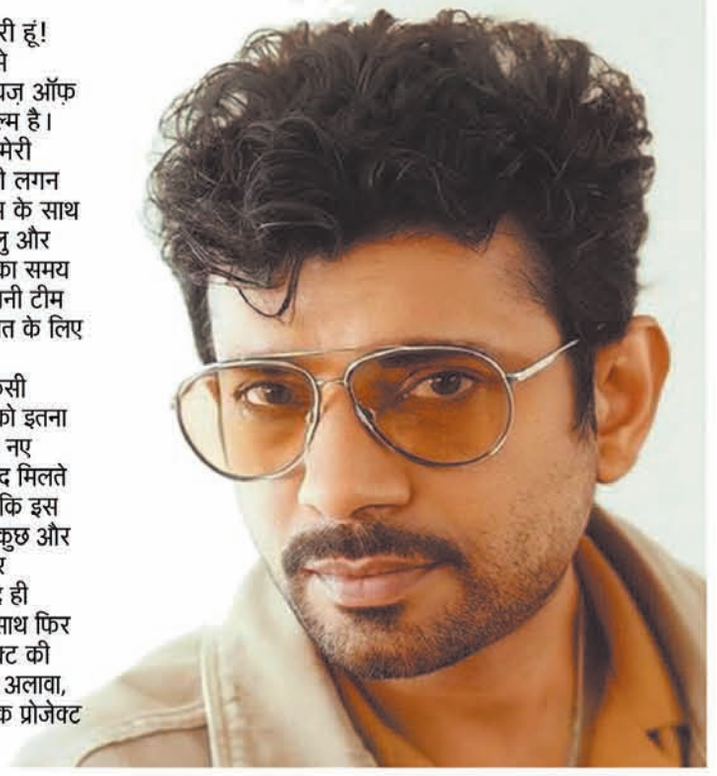

परिवार को सिनेमा हॉल तक लाना ही अब असल चुनौती

हिंदी सिनेमा में प्रियदर्शन का नाम क्लासिक फिल्मों 'हेराफेरी', 'भूल भुलैया' और 'गरम मसाला' आदि के लिए आज भी सम्मान से लिया जाता है। बरसों बाद वह अक्षय कुमार के साथ अपनी अगली हिंदी फिल्म 'भूत बंगला' बनाने जा रहे हैं। प्रियदर्शन से ये खास बातचीत

हास्य, व्यंग्य और उपहास में किस विधा को एक कॉमेडी फिल्म की जरूरत आप मानते हैं?

मेरे लिए किसी भी कॉमेडी फिल्म को बनाने का एक ही सूत्र है और वह ये कि क्या ये फिल्म किसी बच्चे को हंसा सकती है। चार्ली चैपलिन के दिनों से शुरू करके आज हम वहां आ गए हैं, जहां दूसरों का मजाक उड़ाने पर लोग हंसते हैं। स्टैंडअप कॉमेडियन के सामने मजबूरी है कि उसको उन्हीं 90 मिनट या दो घंटे में सामने बैठे दर्शकों को रोककर रखना है। सिनेमा की ऐसी कोई मजबूरी नहीं है।

और, क्या सिनेमा में फूहड़ता और गालियों की वजह से भी लोगों का सिनेमाघरों तक आना कम हुआ है?

हां, और ये एक दिन में नहीं हुआ है। दर्शकों का किसी कला से मोहभंग समय के साथ साथ होता है। सिनेमा में फिल्म दर्शकों की रुचि के क्षरण के जिम्मेदार वे सारे लोग हैं जिन्होंने दर्शकों को लुभाने के लिए अलग अलग तरह के टोटके ईजाद करने शुरू कर दिए। फिल्में वही हिट होती हैं जिन्हें लोग समूहों में देखने आएं। अब कोई भी परिवार अपने बच्चों के साथ लेकर कोई कॉमेडी फिल्म देखने मुश्किल से ही जाता है।

आपको आज की पीढ़ी के बच्चों के साथ कितना संवाद होता है?

सिनेमा शुरू से अपने दौर के युवाओं की पसंद के साथ ही चलता रहा है। 19 साल से लेकर 30 साल तक के लोग ही अपने परिजनों के साथ ये तय करते हैं कि सिनेमाघर जाकर कौन सी फिल्म देखनी है। मैं इसीलिए अपने बच्चों के साथ अपनी फिल्मों के विचार बांटता रहता हूं। उनकी प्रतिक्रियाएं मिलने के बाद ही मैं अपनी फिल्म लिखने बैठता हूं।

मलयालम सिनेमा की कई फिल्में हाल के दिनों में हिंदी फिल्म दर्शकों के लिए नए सिरे से हिंदी फिल्म सितारों के साथ बनाई गईं, आपके अनुसार दर्शकों की पसंद पर इनके खरे न उतरने की वजह क्या हो सकती है?

किसी भाषाई फिल्म को किसी ऐसे वृहत्तर दर्शक समूह के लिए बनाना जिसकी भाषा, रुचियां और संवेदनाएं अलग हैं, बहुत तैयारी मांगता है। बिना विषय की रूह को समझे सिर्फ रीमेक के लिए फिल्म बना देना सही निर्णय नहीं है और इसीलिए हिंदी में बन रही भाषाई फिल्मों की रीमेक सफल नहीं हो रही हैं। इन फिल्मों के निर्देशक अब भी नहीं समझ पा रहे हैं कि गलती कहां हुई?

आपके हिसाब से हिंदी सिनेमा के निर्माता या निर्देशक कहां चूक रहे हैं?

सबसे पहली जरूरत किसी फिल्ममेकर के लिए ये होनी चाहिए कि वह अपने दर्शकों को समझे। उनकी पसंद जाने। उनकी रोजमर्रा की दिक्कतों से दो-चार हो। एक उदाहरण से इसे यूं समझा जा सकता है कि किसी प्रेम कहानी में प्रेमी-प्रेमिका के द्वंद्व के कारक अब बदल चुके हैं। अब उन्हें अमीरी-गरीबी या अपने माता-पिता या भाषाई भिन्नता के चलते प्रतिरोध का सामना नहीं करना पड़ा। उनका प्रतिरोध अब भीतरी है। अब उनका द्वंद्व खुद से है, एक दूसरे की राजनीतिक विचारधारा से है, एक दूसरे के अपने अपने कारोबार में आने वाली परेशानियों से है।

मतलब कि आज के निर्देशक बदलते समय के साथ खुद को बदल नहीं रहे हैं?

ये बात दूसरी तरह से भी मैं कह सकता हूं और वो ये कि सिनेमा बदलते समाज का आईना होता है। और, अगर कोई भी फिल्ममेकर इस आईने में बदलाव को नहीं भांप पा रहा है तो वह ज्यादा दूर तक नहीं जा पाएगा। हर बड़ा फिल्ममेकर तभी लंबे समय काम कर पाया, जब उसने अपने निर्देशन को, अपनी कहानियों को और अपनी फिल्म मेकिंग को बदलते समय में बदलते दर्शकों के साथ बदला और अपना अनुकूलन समय के इस बदलाव के साथ जारी रखा।

हिंदी सिनेमा में आपकी पिछली फिल्म 'हंगामा 2' सफल नहीं रही। अब आप अक्षय कुमार के साथ दो फिल्में और बना रहे हैं? क्या योजनाएं हैं इन फिल्मों की?

'हेराफेरी 3' पर अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन हां, मेरी हिंदी सिनेमा में एक बड़े बजट की फिल्म के साथ अरसे बाद वापसी हो रही है। बरसों बाद में अक्षय कुमार के साथ काम करने जा जा रहा हूं। ये एक बहुत ही खास फिल्म होगी और अब मैं इस फिल्म के जरिये सिनेमा का जादू फिर से जगाने को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त हूं।

प्रियदर्शन की सौंवी फिल्म कौन सी होगी, क्या ये फिल्म आपके खासमखास दोस्त मोहनलाल के साथ ही होगी?

सिनेमा को लेकर मेरा पक्का विचार यही है कि इसे आंकड़ों की बाजीगरी में नहीं उलझाया जाना चाहिए। एक निर्देशक को अपनी फिल्म की मोटी मोटी गणित तो आनी चाहिए लेकिन सिर्फ गणित के लिए सिनेमा भी नहीं बनाना चाहिए।

समाचार गेट
HARHIN11569
स्वामी (मुद्रक, प्रकाशक) रवीना यादव द्वारा साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर-6, नोएडा 201301, उत्तर प्रदेश से मुद्रित करवाकर कार्यालय मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) से प्रकाशित किया। संपादक: कृष्णा शर्मा। संपादकीय कार्यालय: मकान नंबर 2, नियर सेक्टर 61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) पीआरबी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। कानूनी सलाहकार: कृष्णदत्त शर्मा, 9818180269, ईमेल : krishna24news@gmail.com

सभी विद्यार्थियों को होनी चाहिए सीपीआर की जानकारी : बिजेंद्र सोरोत

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। माननीय अंकुश मिगलानी वाइस चेयरमैन एवं डॉक्टर मुकेश अग्रवाल महासचिव भारतीय रेडक्रॉस हरियाणा राज्य शाखा चंडीगढ़ के निर्देशानुसार में आज विक्रम सिंह आई ए एस, उपायुक्त एवं अध्यक्ष जिला रेडक्रॉस सोसाइटी फरीदाबाद के मार्गदर्शन में आज राजकीय आई टी आई ओल्ड फरीदाबाद में भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी, हरियाणा राज्य शाखा व कौशल विकास और औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग, हरियाणा में तीन दिवसीय प्राथमिक चिकित्सा ओरिएंटेशन कार्यक्रम का शुभारंभ बिजेंद्र सोरोत सचिव जिला रेडक्रॉस सोसाइटी, फरीदाबाद द्वारा किया गया । उनके द्वारा प्रशिक्षुओं को सी पी आर की महत्वता पर प्रकाश डालते हुए प्रश्न किये और सटीक भाषा में जवाब दिए। उनके द्वारा अपने सम्बोधन में कहा कि सभी विद्यार्थियों को सी पी आर की जानकारी होनी चाहिए ताकि आपातकालीन स्तिथियों में किसी व्यक्ति की जान बचायी जा सके।

इस अवसर पर विषय विशेषज्ञ आपदा प्रबंधन एवं आजीवन सदस्य रेडक्रॉस सोसाइटी फरीदाबाद डॉ एम पी सिंह ने बताया कि आम आदमी की सूझ-बूझ से किसी भी घायल, पीड़ित को बचाया जा सकता है। जरा सी गलती होने पर और परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने बताया कि रोगी तथा पीड़ित के अंदर के डर को निकालना चाहिए तथा सम्मान सूचक शब्दों का प्रयोग करना चाहिए तथा रोगी के समय को व्यर्थ में नहीं गवाना चाहिए।

उपाधीक्षक रेडक्रॉस सोसाइटी फरीदाबाद पुरषोत्तम सैनी द्वारा प्रशिक्षुओं को रेडक्रॉस फरीदाबाद द्वारा चलायी जा रही गतिविधियों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी तथा नशा मुक्ति केंद्र, फ़िज़ियोथेरेपिस्ट केंद्र, कामकाजी महिला आवास, नेचुरोपैथी केंद्र, रक्तदान इत्यादि के बारे में विस्तार पूर्वक बताया।

आई टी आई ओल्ड फरीदाबाद के प्रधानाचार्य भगत सिंह ने आए हुए सभी अतिथियों को स्वागत करते हुए धन्यवाद किया एवं कार्यक्रम को अत्यंत लाभदायक बताया उन्होंने कहा कि इससे विधार्थियों और अध्यापकों को बेहद फायदा होगा। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि हम आगे भी जिला रेड क्रॉस सोसाइटी, फरीदाबाद के साथ मिलकर ऐसे अनेकों कार्यक्रम करते रहेंगे जिससे विद्यार्थियों के मनोबल में वृद्धि हो प्रशिक्षक एम सी धीमान ने प्रशिक्षुओं को सी पी आर, हड्डी टूट आदि की जानकारी देते हुए पूर्व अभ्यास करवाया तथा ऑडियो वीडियो से शानदार प्रशिक्षण दिया।

समाजसेविका पल्लवी गोयल ने किया बैसाखी मेले का उद्घाटन

फरीदाबाद सेक्टर-15 स्थित सामुदायिक भवन में आयोजित हुआ भव्य मेला

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। बैसाखी के पावन अवसर पर फरीदाबाद के सेक्टर-15 स्थित सामुदायिक भवन में भव्य बैसाखी मेले का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन समाजसेविका एवं भाजपा नेत्री श्रीमती पल्लवी गोयल ने किया। पल्लवी गोयल हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री श्री विपुल गोयल की धर्मपत्नी हैं और सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाती रही हैं।

इस वार्षिक परंपरा को आगे बढ़ाते हुए आयोजित बैसाखी मेले में स्थानीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मेले में आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के हस्तशिल्प और व्यंजनों की स्टॉल भी लगाई गईं। उद्घाटन के पश्चात पल्लवी गोयल ने मेले में भ्रमण कर सभी स्टॉलों का अवलोकन किया और हस्तशिल्प कला की विशेष सराहना की।

उन्होंने राम नाम पर आधारित हस्तनिर्मित राम दरबार फ्रेम को विशेष रूप से सराहा और कहा कि इस प्रकार की कलाएं हमारी सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक हैं, जिन्हें प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है। उन्होंने आयोजक टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से स्थानीय कलाकारों और हस्तशिल्पियों को न केवल मंच मिलता है, बल्कि उनकी प्रतिभा को भी नई पहचान मिलती है। इस अवसर पर पल्लवी गोयल ने कहा कि बैसाखी केवल एक पर्व नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान का उत्सव है। ऐसे मेलों के माध्यम से समाज के सभी वर्ग एकजुट होते हैं और हमारी लोककलाएं, परंपराएं एवं हस्तशिल्प जीवंत होती हैं।

कार्यक्रम के आयोजक साहिल जयसिंह, मानसी जयसिंह, सुनीता वर्मा, शशि गोयल एवं प्रकृति गोयल भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। स्थानीय नागरिकों ने मेले की भव्यता और सांस्कृतिक समरसता की खूब सराहना की।

मेंस्ट्रुअल सुरक्षा प्रबंधन एवं उचित निष्पादन कार्यक्रम आयोजित

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल सराय ख्वाजा फरीदाबाद में प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचंदा की अध्यक्षता में आयोजित मेंस्ट्रुअल सुरक्षा प्रबंधन एवं उचित निष्पादन कार्यक्रम आयोजित किया। विद्यालय में यह अभियान जूनियर रेडक्रॉस, सेंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड और प्रयास ट्रस्ट के सौजन्य से किया गया। यह ट्रस्ट एलएंडटी की महिला नेतृत्व वाली सामाजिक संस्था नई उमंग फरीदाबाद से जुड़ी है। इस कार्यशाला का उद्देश्य छात्राओं को मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन के प्रति जागरूक करना था। प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचंदा ने बताया कि कार्यक्रम में छात्राओं को बताया गया कि मासिक धर्म को एक स्वाभाविक और जैविक प्रक्रिया के रूप में समझने और इससे जुड़ी सामाजिक भ्रांतियों को तोड़ने की प्रेरणा दी। छात्राओं को स्वच्छता बनाए रखने के उपाय, सैनिटरी नैपकिन्स के उचित उपयोग और उनके सुरक्षित निपटान की जानकारी दी गई। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि इस विषय पर खुलकर बातचीत करना कितना आवश्यक है ताकि छात्राएं आत्मविश्वास से अपनी देखभाल कर सकें। प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचंदा ने कहा की यह सत्र न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने वाला था बल्कि मानसिक रूप से भी छात्राओं को सशक्त बनाने में सहायक सिद्ध हुआ। कार्यशाला के अंत में छात्राओं को को अच्छी गुणवत्ता की सैनिटरी पैड्स भी नि:शुल्क वितरित किए गए। सुखायम एक स्वतंत्र ब्रांड है जो प्राकृतिक और जैविक रूप से तैयार सैनिटरी पैड्स का निर्माण करता है। ये पैड्स केले के पत्तों और कपड़े जैसे पर्यावरण अनुकूल तत्वों से बनाए जाते हैं जिससे यह प्लास्टिक रहित, प्राकृतिक, जैविक तथा स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित विकल्प बनते हैं। इनका उपयोग न केवल किशोरियों के लिए स्वास्थ्यवर्धक है बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक सकारात्मक कदम है। इस प्रकार की पहल छात्राओं को न केवल व्यक्तिगत स्वच्छता के प्रति सजग बनाती हैं बल्कि उन्हें आत्मविश्वासी एवं जागरूक नागरिक बनने के लिए प्रेरित भी करती हैं। इस अवसर पर प्राचार्य मनचंदा ने एल न टी, प्रयास संस्था, प्राध्यापिका दीपांजलि एवं सभी अतिथिगणों और सभी छात्राओं का आभार व्यक्त किया।

महिला की अश्लील फोटो बनाकर पैसे मांगने वाला आरोपी को किया काबू

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। फरीदाबाद पुलिस द्वारा साइबर अपराधियों पर लगातार कार्यवाही की जा रही है, इसी क्रम में कार्रवाई करते हुए साइबर थाना सेंट्रल की टीम ने महिला का अश्लील फोटो तैयार कर पैसे मांगने के एक मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बतलाया कि साइबर थाना सैंट्रल में फरीदाबाद वासी महिला ने शिकायत दी, जिसमें आरोप लगाया कि उसके फोन पर एक मैसेज आया जिसमें सस्ता सामान खरीदने के लिए लिंक था। लिंक पर क्लिक करके के बाद उससे फोन के कुछ एक्सेस मांगे गये, जिनकी अनुमति उसके द्वारा दे दी गई, जिसके बाद उसके फोन के सभी एक्सेस ठगों को मिल गये और उन्होने शिकायतकर्ता के फोन से उसकी फोटो और कांटैक्ट नंबर चुरा लिये जिसके दो दिन बाद शिकायतकर्ता के पास उसके व्हाट्सएप नंबर पर ठगों ने उसकी अश्लील फोटो बनाकर उसके पास भेजे और उससे पैसे की मांग की और ठगों ने कहा कि अगर वह पैसे नही देगी तो उसकी अश्लील फोटो उसके जानकारों और रिस्तेदारों के पास भेज देगे। बदनामी के डर से शिकायतकर्ता ने विभिन्न ट्रांजेक्शन के माध्यम से 1,74,359/-रू ठगों के खाता में भेजे। ठगों की लगातार मांग से परेशान होकर महिला ने शिकायत साइबर थाना सैंट्रल में दी जिसपर संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया। उन्होने अधिक जानकारी देते हुए बतलाया कि साइबर थाना सेंट्रल की टीम ने आरोपी अनुज राणा (19) वासी दयानन्द नगर आगरा उ.प्र. को आगरा से गिरफ्तार किया है। पुछताछ में सामने आया कि आरोपी अनुज कॉलिग का काम करता था और इसने कॉल करके महिला से पैसे भेजने के लिए कहा था। अधिक पुछताछ के लिए आरोपी को 5 के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

निगमायुक्त के सख्त निर्देश पर निगम द्वारा सड़कों के गड्ढ़ों को भरने का कार्य शुरू

शहरवासी हरपथ हरियाणा एप अथवा संबंधित वार्ड के जेई को दें गड्ढों की जानकारी: ए मोना श्रीनिवास निगमायुक्त

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। फरीदाबाद नगर निगम कमिशनर ए मोना श्रीनिवास ने आज निगम की इंजीनियरिंग विंग के अधिकारियों के साथ कार्यों की समीक्षा बैठक की। बैठक में निगमायुक्त द्वारा हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के निर्देशों को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक जोन में सड़को के गड्डों को भरने के सख्त दिशा निर्देश दिए हैं। बैठक में जॉइंट कमिश्नर ओल्ड राजेश कुमार, चीफ इंजीनियर बीके कर्दम, चीफ इंजीनियर विवेक गिल, एसई ओमबीर सिंह, एक्सईन नितिन कादियान, एक्सईन ओमदत्त, एक्सईन ओपी कर्दम, एक्सईन सुशील ठाकरान, एक्सईन महेंद्र सिंह, सीनियर आर्किटेक्ट बीएस ढिल्लों सहित एसडीओ मौजूद रहे । बैठक में निगमायुक्त ए मोना श्रीनिवास ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं की शहर में सफाई व्यवस्था और सड़कों को दुरुस्त कराने का कार्य तीव्र गति से शुरू कराया जाए ताकि शहरवासियों को कोई परेशानी निगम की तरफ़ से ना आए। बैठक में दिशा निर्देशों और हरियाणा सरकार द्वारा जारी हिदायतों को ध्यान में रखते हुए नगर निगम के कार्यकारी अभियंता बल्लभगढ़ ओपी कर्दम द्वारा बल्लभगढ़ जोन में सड़क के गड्डों को भरने का कार्य शुरू कराकर निगमायुक्त को रिपोट सौंपी दी है।

अवैध हथियार रखने वालों पर फरीदाबाद पुलिस का प्रहार 4 आरोपियों को किया काबू

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। पुलिस उपायुक्त अपराध मकसूद अहमद के द्वारा अपराधिक मामलों में संलिप्त आरोपियों की धर-पकड़ के दिए गए दिशा निर्देश के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए अपराध शाखाओं की टीम ने अलग-अलग मामलों में 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने अधिक जानकारी देते हुए बतलाया कि आरोपी मोन्टू वासी गाँव सवाजपुर जिला हरदोई को शमशान घाट सेक्टर-56, रंजित वासी झुग्गी नियर नीलम पुल को मास्टर बाईपास गांव टिकवाली, प्रितम वासी सिकरोना को सेक्टर-63 से देशी कट्टा सहित व साबीर मौहम्मद वासी बरौला जिला अलीगढ हाल पहाडी, फरीदाबाद को धीरज नगर शमशान घाट फरीदाबाद के पास से से दशी पिस्तौल सहित गिरफ्तार किया है। जिनके खिलाफ संबंधित थानों में अवैध हथियार रखने की धाराओं में मामले दर्ज किये गये हैं। आरोपियों से पूछताछ के बाद नियमानुसार कार्रवाई की गई।

फोन सिम चोरी कर खाता से पैसे निकालने वाले 3 आरोपियों किया काबू

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बतलाया कि साइबर थाना बल्लभगढ में भीकम कॉलोनी बल्लभगढ में रहने वाली महिला ने दी अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि किसी ने उसका स्क्रू पोर्ट करवा लिया और उसके खाता से 47,000/-रू निकाल लिये। उसका यह मोबाइल नंबर उसके बैंक खाता से जुडा हुआ था। जिस पर किसी ने जिस पर साइबर थाना सैंट्रल में संबंधित धाराओ में दर्ज किया गया। उन्होने अधिक जानकारी देते हुए बतलाया कि साइबर थाना बल्लबगढ़ की टीम ने आरोपी अरविन्द पाल वासी गांव गरौली जिला छतरपुर म0 प्र0, कमल वासी भगत सिंह कॉलोनी बल्लभगढ़ फरीदाबाद, यश कुमार वासी लक्ष्मी नगर मधुरा उ0प्र0 हाल पता गांव हीरापुर जिला छतरपुर म0 प्र0 को गिरफ्तार किया है। पुछताछ में सामने आया कि आरोपी महिला के घर में पेंट का काम करते थे और उसका फोन किसी बहाने से लेकर उसके UPI पासवर्ड पता किया। जिसके बाद आरोपी अरविन्द पाल ने उसके फोन से स्क्रूको चुरा कर अपने फोन में महिला का UPI चलाया और 5000/-रू यश के जानकार के पास भेजे और 40,000/-रू किसी दुकान पर भेज कर नगद ले लिए और स्क्रू को अपने नाम पर पोर्ट करवा लिया। आरोपियों से 6000/-रू बरामद किए गए। आरोपी अरविन्द 3 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है और कमल और यश को पुछताछ के बाद माननीय कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया